सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

RNI NO-UPHIN/2023/84340

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | गुरुवार , 02 जुलाई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 102 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत-पाक के बीच सामान्य हो संबंध', 117 हस्तियों ने लिखा पत्र

भारत-पाक की 117 प्रमुख हस्तियों ने मोदी-शहबाज को पत्र लिखा: बोले- दुश्मनी खत्म करें, भाजपा ने लिया आड़े हाथ

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को सुधारने के लिए दोनों देशों की 117 हस्तियों ने पीएम मोदी और पाक पीएम शहबाज शरीफ को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा गया है कि टकराव नहीं, बातचीत का रास्ता चुनिए, ताकि दक्षिण एशिया में शांति और विकास का माहौल बन सके। इन 117 हस्तियों में पूर्व अधिकारी, सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां शामिल हैं। भारत की ओर से जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और आरजेडी सांसद मनोज झा समेत 61 लोगों और पाकिस्तान की ओर से पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी समेत 56 लोगों ने चिट्ठी पर साइन किए हैं।

क्यों लिखा गया यह पत्र?

यह पहल ऐसे समय में की गई है जब हाल के महीनों में भारत और पाकिस्तान के संबंधों में तनाव बना हुआ है। इनका कहना है कि लगातार बढ़ती शत्रुता से दोनों देशों के विकास, क्षेत्रीय स्थिरता और आम नागरिकों के हित प्रभावित हो रहे हैं।

दोनों देशों के बीच संवाद दोबारा शुरू हो-अभी की स्थिति: 25 दिसंबर 2015 को पीएम नरेंद्र मोदी ने लाहौर जाकर नवाज शरीफ से मुलाकात की थी। इसके बाद 2 जनवरी 2016 के पठानकोट आतंकी हमले के बाद द्विपक्षीय वार्ता बंद है। साल 2015 में पीएम मोदी काबुल दौरे से लौटते समय अचानक पाकिस्तान पहुंच गए थे। यहां वे तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की नातिन की शादी में शामिल हुए थे।

जम्मू-कश्मीर समेत सभी विवादित मुद्दों पर बातचीत हो अभी की स्थिति: 5 अगस्त 2019 को भारत ने अनुच्छेद 370 हटाया। इसके बाद पाकिस्तान ने द्विपक्षीय बातचीत और कूटनीतिक रिश्तों को सीमित कर दिया।

117 लोगों की मांग: सैन्य तनाव कम हो, लोगों के बीच संपर्क बढ़े

सैन्य तनाव कम हो: 25 फरवरी 2021 को दोनों देशों ने एलओसी पर 2003 के सीजफायर समझौते का फिर से पालन करने पर सहमति जताई। इसके बावजूद हालिया आतंकी घटनाओं के बाद सीमाओं पर तनाव बना हुआ है।

लोगों के बीच संपर्क बढ़े: 22 अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों ने नागरिकों की आवाजाही पर कड़े प्रतिबंध लगाए।

सांस्कृतिक और शैक्षणिक संबंध बेहतर हों अभी की स्थिति: 18 सितंबर 2016 (उरी हमले) के बाद कलाकारों के आदान-प्रदान और अधिकांश सांस्कृतिक कार्यक्रम लगभग बंद हो गए। विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग भी बहुत सीमित है।

क्रिकेट और अन्य खेलों की द्विपक्षीय सीरीज शुरू हो

भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज 2012-13 में खेली गई थी। इसके बाद दोनों टीमें सिर्फ आईसीसी और एशिया कप जैसे टूर्नामेंट में मिली हैं।

दोनों देशों के बीच हवाई सेवा शुरू हो

24 अप्रैल 2025 के बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया। तब से सीधी उड़ानें बंद हैं।

वीजा प्रक्रिया आसान हो अभी की स्थिति: 24 अप्रैल 2025 के बाद अधिकांश वीजा सेवाएं निलंबित कर दी गईं और कई नागरिकों को वापस लौटना पड़ा।

हाई कमिश्नर दोबारा नियुक्त हों अभी की स्थिति: अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद पाकिस्तान ने अपना हाई कमिश्नर वापस बुला लिया।

बस सेवा, करतारपुर कॉरिडोर और अटारी-वाघा बॉर्डर फिर खोला जाए अभी की स्थिति: समझौता एक्सप्रेस और थार एक्सप्रेस अगस्त 2019 से बंद हैं। दिल्ली-लाहौर बस सेवा भी बंद है।

भाजपा ने कहा- भारत सरकार को किसी लेटर की जरूरत नहीं

अटारी-वाघा बॉर्डर से सामान्य नागरिक आवाजाही अप्रैल 2025 से प्रभावित है। करतारपुर कॉरिडोर, जो 9 नवंबर 2019 को खुला था, हालिया तनाव के कारण कई बार प्रभावित रहा है।

भाजपा ने कहा- भारत सरकार को किसी लेटर की जरूरत नहीं

जम्मू-कश्मीर भाजपा के नेता रविंदर रैना ने भारत-पाकिस्तान वार्ता की मांग को लेकर लिखे गए लेटर पर प्रतिक्रिया दिया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को किसी लेटर की जरूरत नहीं है। भारत हमेशा अपने पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहता है, लेकिन आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। रैना ने कहा, 'पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी बस से लाहौर गए थे, लेकिन उसके बाद कारगिल में घुसपैठ हुई और फिर संसद पर आतंकी हमला हुआ। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शामिल हुए थे और बाद में मोदी खुद भी लाहौर गए थे।

गारंटी दें पाकिस्तान भविष्य में कोई दुस्साहस या आतंकी कार्रवाई नहीं करेगा: भाजपा

भाजपा ने सवाल उठाया कि जो लोग भारत-पाकिस्तान वार्ता के लिए लेटर लिख रहे हैं, क्या वे इस बात की गारंटी दे सकते हैं कि पाकिस्तान भविष्य में कोई दुस्साहस या आतंकी कार्रवाई नहीं करेगा। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की रेगुलर प्रेस ब्रीफिंग चल रही थी। एक पत्रकार ने प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी से पूछा- क्या भारत और पाकिस्तान के बीच बैकचैनल बातचीत हो रही है? अंद्राबी बोले- अगर मैं टिप्पणी करूंगा, तो वो बैकचैनल नहीं रहेगा। इधर भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी संघ के नंबर-2 नेता दत्तात्रेय होसबाले ने कहा- पाकिस्तान के साथ बातचीत के दरवाजे बंद नहीं होने चाहिए। पूर्व आर्मी चीफ जनरल एम. एम. नरवणे भी बोले- सीमा के दोनों तरफ आम लोग रहते हैं, जिनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।

मोटर दुर्घटना पीड़ितों की आय की गणना के लिए सुप्रीम कोर्ट ने तय की गाइडलाइन, आयकर रिटर्न को बनाया आधार

नई दिल्ली/एजेंसी

मोटर दुर्घटना के मुआवजे में समानता लाने के मकसद से सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में बुधवार को आयकर रिटर्न के आधार पर मृतक पीड़ितों या घायल दावेदारों की वार्षिक आय की गणना करने के लिए अदालतों के वास्ते गाइडलाइंस तय कर दी। शीर्ष अदालत ने कहा कि नौकरीपेशा लोगों के लिए वार्षिक आय दिखाने के लिए सिर्फ पिछले वर्ष का आयकर रिटर्न पर्याप्त होगा और खुद का काम करने वाले लोगों के लिए पिछले तीन वर्षों के आयकर रिटर्न में प्रदर्शित औसत आय को संदर्भ माना जाए। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत मृतक या दावेदार की वार्षिक आय की गणना का कोई निश्चित फॉर्मूला नहीं हो सकता, लेकिन आयकर रिटर्न के आधार पर मुआवजे का आकलन करने के लिए नौकरीपेशा और खुद का काम करने वालों के बीच स्पष्ट अंतर किया। पीठ ने कहा, हमारे हिसाब से नौकरीपेशा लोगों के लिए वार्षिक आय प्रदर्शित करने के लिए सिर्फ पिछले वर्ष का आयकर रिटर्न ही पर्याप्त होगा क्योंकि पदोन्नति का वित्तीय असर काफी होता है और यह सिर्फ उसी वर्ष के आयकर रिटर्न में दिख सकता है। लेकिन अगर पदोन्नति या वेतन में बढ़ोतरी दुर्घटना से कुछ समय पहले हुई है और वह नवीनतम आयकर रिटर्न में प्रदर्शित नहीं है तो अदालतें पदोन्नति पत्र और अन्य पुष्टि करने वाले वित्तीय रिकॉर्ड पर भी विचार कर सकती हैं।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 919886073

Course

B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

संजय शुक्ल
चेयरमैन

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

राष्ट्र निर्माण में चार्टर्ड अकाउंटेंट की भूमिका अहम: प्रधानमंत्री मोदी

पीआरडी जवान की सड़क हादसे में मौत

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। यातायात पुलिस द्वारा वाहनों से वसूली के लिए पीआरडी जवान को सड़क पर वाहन जांच के नाम पर ड्यूटी पर लगाया गया था। पीआरडी का जवान यातायात पुलिस के निर्देशन पर सैनी चौराहा पर वाहनों की चेकिंग के बहाने वाहनों से वसूली कर रहा था। वसूली से बचने के लिए एक वाहन चालक ने वाहन को तेजगति से निकालने की कोशिश की और पीआरडी जवान ने वाहन के आगे पहुँच कर रोकने का प्रयास किया जिससे वाहन की टक्कर से पीआरडी जवान घायल हो गया और सड़क पर गिर पड़ा।

आनन - फानन मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे और घायल पीआरडी जवान को इलाज के लिए सीएचसी अस्पताल सिराथू पहुंचाया लेकिन डॉक्टर ने पीआरडी जवान को मृत घोषित कर दिया है। मौत के बाद विभाग में भी शोक की लहर है और जानकारी मिलते ही परिवार में भी कोहराम मच गया है। पुलिस ने पीआरडी जवान के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जाता है कि यातायात पुलिस द्वारा जिले के प्रत्येक चौराहे पर विक्रम, टेंपो, सीएनजी एवं ऑटो के साथ-साथ माल वाहनों से वसूली के लिए होमगार्ड और पीआरडी जवानों की ड्यूटी लगाई गई है जो खुले आम वसूली करते हैं।

जानकारी के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के सेलरहा पश्चिम गांव निवासी महताब अली उम्र 38 वर्ष पुत्र नासिर अली पीआरडी के जवान है और इस समय उनकी ड्यूटी यातायात पुलिस में लगाई गई है। बुधवार को पीआरडी जवान सैनी चौराहे पर वाहनों की चेकिंग के नाम पर वसूली कर रहे थे। वाहनों की चेकिंग करने का अधिकार कानून में पीआरडी जवानों को नहीं है लेकिन फिर भी पीआरडी जवान वाहनों को रोक रहे थे। प्रत्येक वाहनों से 100 की वसूली हो रही थी। सड़क पर गुजर रहे लोडर गाड़ी को पीआरडी जवान ने रोकने की कोशिश की लेकिन इनकी वसूली से बचने के लिए लोडर गाड़ी के चालक ने अपनी गाड़ी को आगे बढ़ा दिया जिससे पीआरडी जवान लोडर गाड़ी की टक्कर से सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।

पीआरडी जवान के घायल होते ही मौके पर अफरा - तफरी मच गई और मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने पीआरडी जवान को इलाज के लिए सीएचसी सिराथू अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। पीआरडी जवान को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया है। मौत के बाद पूरे विभाग में शोक की लहर है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पीआरडी जवान की मौत ने पूरे यातायात व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया जिसकी जांच कराए जाने की जरूरत है।

आयुष्मान आरोग्य मन्दिर, सेलरहा पश्चिम का डीएम ने किया आकस्मिक निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने आज आयुष्मान आरोग्य मन्दिर, सेलरहा पश्चिम का आकस्मिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान ए.एन.एम. से एच.आर.पी. महिलाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि ऐसी सभी महिलाओं पर विशेष निगरानी एवं समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाए एवं उनकी नियमित जांच की जाए।

जिलाधिकारी ने ड्यू-लिस्ट के अनुसार शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी लाभार्थी टीकाकरण से वंचित न रहने पाए। उन्होंने केन्द्र पर उपलब्ध आवश्यक दवाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सभी आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता हर समय सुनिश्चित रखी जाए।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने गाजे बाजे के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष का किया स्वागत

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी (ब्यूरो चीफ)। भारतीय जनता पार्टी की नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष पूजा पाल के प्रथम जनपद आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जगह-जगह उनका जोरदार और गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान पूरे रास्ते में भारत माता की जय और पार्टी के समर्थन में जमकर नारेबाजी हुई जिससे कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बनता था।चायल विधायक पूजा पाल को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने के बाद पहली बार जिले की सीमा में प्रवेश करने पर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य और प्रधान संघ अध्यक्ष कड़ा अनिल शर्मा ने अपनी टीम के साथ लेहदरी पुल पर उनकी अगवानी की। नेताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर और अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया और संगठन में उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं।इसके बाद स्वागत का यह कारवां देवीगंज बाजार पहुंचा जहां का माहौल पूरी तरह उत्सव जैसा नजर आया। समर्थकों ने ढोल-ताशों और गाजे-बाजे के साथ नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष का अभिनंदन किया। स्थानीय कार्यकर्ताओं ने उन्हें बुके और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।स्वागत कार्यक्रम के दौरान रामप्रकाश पाल, दीपा श्रीवास्तव, मुन्ना साहू, रामसिंह फौजी, विजय प्रकाश गुप्ता, गुल्ली पाल, नीरज साहू, अनिल पाल, राजकरन पाल, गोविंद पाल, उमेश कुमार , मुन्ना पाल, दीनानाथ पालसहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व समर्थक उपस्थित रहे।

अध्यक्ष,जिला पंचायत ने संचारी रोग नियन्त्रण अभियान जन-जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। अध्यक्ष,जिला पंचायत कल्पना सोनकर एवं जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने संचारी रोग नियन्त्रण अभियान जन-जागरूकता रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रैली कलेक्ट्रेट परिसर से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मंझनपुर तक निकाली गई।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संजय कुमार, प्रभारी चिकित्साधिकारी मंझनपुर डॉ0 नीरज कुमार एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ0 अनुपमा मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जनपद में विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान 01 जुलाई से 31 जुलाई,2026 तक संचालित किया जाएगा, जिसके अन्तर्गत जनपदवासियों को मच्छरों एवं संक्रामक रोगों से बचाव के उपायों के विषय में जागरूक किया जाएगा।

"स्वस्थ्य व्यवहार अपनाना है, संचारी रोगों को हराना है। "मच्छरों से बचाव के लिए दरवाजों व खिड़कियों पर जाली लगवानें, नियमित मच्छरदानी का प्रयोग करनें, मच्छररोधी उपाय अपनाने, अनुपयोगी वस्तुओं में पानी इकट्ठा न होने देंने, पानी की टंकी पूरी तरह से ढक कर रखनें, पूरी बाँह वाली कमीज पैन्ट और मोजे पहननें, घर और कार्य स्थल के आस-पास पानी जमा न होने देने, कूलर व गमलों आदि को सप्ताह में खाली कर सुखाने एवं गड्ढ़ों में जहॉ पानी इकट्ठा हो, उसे मिट्टी से भर देंने आदि के प्रति जागरूक किया जायेंगा।

इसी प्रकार संक्रामक रोगों से बचाव के लिए नालियों में जलजमाव रोंकने एवं नियमित सफाई करने, जानवर बाडे.घर से दूर रखने, जंगली झाड़ियों को नियमित साफ करने, चूहे-छछूंदरों से बचनें, पीने के लिए इण्डिया मार्का के पानी का प्रयोग करने, खाने से पहले साबुन से हॉथ धोनें, खुले में शौच न करने तथा नियमित शौचालय का प्रयोग करने आदि के प्रति जागरूक किया जायेंगा।

डीएम ने कक्षा-2 के छात्र से पुस्तक पढ़वाकर तथा कक्षा-1 के छात्र से गिनती सुनकर शिक्षा की गुणवत्ता को परखा

जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय सौरई खुर्द का किया आकस्मिक निरीक्षण

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज प्राथमिक विद्यालय, सौरई खुर्द का आकस्मिक निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान कक्षाओं में निपुण तालिका प्रदर्शित न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए प्रधानाध्यापक अरुण कुमार बाजपेई को निपुण तालिका लगवाने एवं अपडेट रखने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों की जानकारी प्राप्त करते हुए बच्चों की उपस्थिति और बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कक्षा-2 के छात्र से पुस्तक पढ़वाकर तथा कक्षा-1 के छात्र से गिनती सुनकर शिक्षा की गुणवत्ता को परखा। उन्होंने प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया कि विद्यालय में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान किया जाए तथा शासन की निर्धारित मानक व्यवस्था के अनुरूप बच्चों को मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराई जाए।

प्रधानाध्यापक ने अवगत कराया कि विद्यालय में कुल 236 विद्यार्थी नामांकित हैं, जिनमें इस शैक्षणिक सत्र में 49 नए बच्चों का नामांकन हुआ है।

साइबर अपराध के बारे में ग्रामीणों को किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी । बुधवार को माह के प्रथम बुधवार को पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देशन में थाना करारी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम अमीनपुर समरो में साइबर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रभारी साइबर थाना एवं टीम के साथ उपस्थित रहे तथा ग्रामवासियों, महिलाओं एवं पुरुषों को वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया।

ग्रामीणों को ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, ओटीपी एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करने, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, फर्जी लिंक, क्यूआर कोड स्कैम, डिजिटल अरेस्ट, निवेश एवं नौकरी के नाम पर होने वाली ठगी सहित अन्य साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए। साथ ही साइबर अपराध होने की स्थिति में बिना विलंब 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने तथा www.cybercrime.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत करने के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने, किसी भी संदिग्ध कॉल, मैसेज अथवा लिंक पर विश्वास न करने तथा डिजिटल लेनदेन के समय आवश्यक सावधानी बरतने के लिए प्रेरित किया गया। ग्रामीणों ने जागरूकता कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए साइबर सुरक्षा से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका प्रभारी साइबर थाना द्वारा सरल एवं विस्तृत उत्तर दिया गया।

जनपद कौशाम्बी पुलिस आमजन को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखने हेतु निरंतर जागरूकता अभियान संचालित कर रही है तथा नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराकर समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराने हेतु जागरूक किया गया ।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किया जगरूक

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान 'मिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरण' के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया ।

बुधवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत एक भव्य जागरूकता रैली का किया गया आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी (ब्यूरो चीफ)। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय कड़ा में बुधवार को स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत एक भव्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद विद्यालय पहुंचीं छात्राओं का रोली-टीका लगाकर, फूल-माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर बेहद गर्मजोशी से स्वागत किया गया। नया सत्र शुरू होने पर विद्यालय प्रशासन की इस पहल से छात्राओं के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर विद्यालय की वार्डेन दीबा, शशि कला, अनुपमा शुक्ला, सुप्रिया पटेल, पूर्णिमा शुक्ला, पूनम गुप्ता, पद्मिनी शुक्ला सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

एसपी द्वारा थाना कोखराज पर अर्दली रूम का आयोजन कर की गई कार्यों की समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी । पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा थाना कोखराज में अर्दली रूम का आयोजन किया गया। अर्दली रूम के दौरान थाना कोखराज के समस्त विवेचकों की लंबित विवेचनाओं, प्रचलित अभियोगों एवं कानून-व्यवस्था संबंधी कार्यों की गहन समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा लंबित विवेचनाओं के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित विवेचकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही महिला संबंधी अपराधों, साइबर अपराध, वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा जनसुनवाई के प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, बीट पुलिसिंग को सुदृढ़ करने, प्रभावी गश्त व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने पर विशेष बल दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया।

इस दौरान क्षेत्राधिकारी सिराथू,व प्रभारी निरीक्षक चंद्र भूषण मौर्य भी मौजूद रहे।

रातों-रात काट दिए गए फलदार आम के पेड़, वन विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर स्योहारा! सरकार जहां पर्यावरण संरक्षण और अधिक से अधिक वृक्षारोपण पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं स्योहारा क्षेत्र में हरे-भरे फलदार आम के पेड़ों की कटाई का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। बहादुरपुर रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के समीप रातों-रात कई आम के पेड़ काट दिए गए। स्थानीय लोगों का दावा है कि पेड़ों पर फल लगे हुए थे और उन्हें काटने के बाद जेसीबी से जड़ों तक उखाड़ दिया गया, जिससे मौके पर पेड़ों के अवशेष भी नहीं बचे।

ग्रामीणों के अनुसार देर रात तक मौके पर आम के पेड़ मौजूद थे, लेकिन सुबह वहां समतल जमीन और निर्माण सामग्री दिखाई दी। आरोप है कि पेड़ों

को काटने के बाद जेसीबी से उनकी जड़ें भी निकाल दी गईं, जिससे पूरी कार्रवाई की गंभीरता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

मामले में वन विभाग ने मुकदमा दर्ज किए जाने की पुष्टि की है। हालांकि जब डिप्टी रेंजर विजय भारत से मुकदमे में नामजद आरोपियों के संबंध में जानकारी मांगी गई तो उन्होंने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, लेकिन उन्हें इस समय आरोपियों के नाम याद नहीं हैं। उनके इस बयान के बाद स्थानीय लोगों में कई तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि मामला इतना गंभीर था कि मुकदमा दर्ज करना पड़ा, तो फिर दोषियों की पहचान और कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं की जा रही है। लोगों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वन विभाग जांच को किस अंजाम तक पहुंचाता है और अवैध रूप से पेड़ों की कटाई करने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है।

सैनी पुलिस द्वारा 2 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा मारपीट से सम्बन्धित 2 वारण्टी अभियुक्तों धरमपाल . रजपाल पुत्रगण सूरज बली निवासी गड़रियन का पुरवा मजरा कोरियो थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया।

एक आरोपी को पुलिस पकड़ा

कौशांबी । एसपी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा विद्युत अधिनियम थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त फारुख पुत्र अहमद अली निवासी सुरसेना थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को थाना राधानगर पुलिस द्वारा दुष्कर्म से सम्बन्धित वांछित लवकुश लोधी पुत्र सुन्दर लाल लोधी निवासी बीबीपुर थाना राधानगर जनपद फतेहपुर उम्र 35 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

प्र0नि0 श्याम सुन्दर लाल श्रीवास्तव थाना राधानगर, उ0नि0 दिवाकर सिंह. हे0का0 जयशंकर यादव।

डीएम एसएसपी द्वारा आगामी पर्व कावड़ यात्रा, महाशिवरात्रि को लेकर धर्मगुरुओं, नागरिकों के साथ की पीस कमेटी की बैठक

सबसे तेज प्रयागराज बुलंदशहर । जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा आगामी श्रावण कावड़ यात्रा, महाशिवरात्रि एवं अन्य महत्वपूर्ण पर्वों/त्योहारों को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिला पंचायत सभागार, बुलन्दशहर में जनपद के समस्त धर्मगुरुओं, संभ्रांत व्यक्तियों, वरिष्ठ नागरिकों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उपस्थित धर्मगुरुओं एवं वरिष्ठ नागरिकों द्वारा प्रशासन एवं पुलिस को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया गया तथा अपने-अपने क्षेत्रों में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने हेतु लोगों को जागरूक करने की बात कही गयी।

जिलाधिकारी द्वारा संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि कावड़ यात्रा मार्गों पर साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था,

प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, यातायात प्रबंधन एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

एसएसपी द्वारा सम्बन्धित को कावड़ यात्रा के दौरान डी0जे0 कम ध्वनि से बजाने तथा अधिक ध्वनि प्रदूषण करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए, साथ ही कावड़ झांकी, डीजे की ऊंचाई मानक से अधिक न हो यह सुनिश्चित करने हेतु भी सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त महोदय द्वारा समस्त धार्मिक स्थलों, मार्गों व कावड़ यात्रा के दौरान शिविरों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने तथा कावड़ यात्रा मार्गों, मंदिरों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया पर भी सतत निगरानी रखी जाएगी तथा किसी भी प्रकार की भ्रामक अथवा आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अभिषेक कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) नीतीश कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन एवं समस्त क्षेत्राधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारीगण मौजूद रहे।

''स्कूल चलो अभियान'' प्रत्येक बच्चे को शिक्षा से जोड़ने का जनआंदोलन- डीएम

जिलाधिकारी ने स्कूल चलो अभियान को सफल बनाने हेतु सभी से सक्रिय सहयोग करने का किया आह्वान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । शैक्षिक सत्र 2026-27 में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित परिषदीय विद्यालयों में अधिकाधिक छात्र नामांकन सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से ''स्कूल चलो अभियान'' के द्वितीय चरण का शुभारम्भ दिनांक 01 जुलाई, 2026 को कम्पोजिट विद्यालय नया कटरा द्वितीय, नगर क्षेत्र प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदस्य विधान परिषद सुरेंद्र चौधरी जी एवं विशिष्ट अतिथि डीएम मनीष कुमार वर्मा, संजय कुमार कुशवाहा, मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक उपस्थित रहे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार द्वारा सर्वप्रथम सभी अतिथियों का स्वागत किया गया एवं विभाग द्वारा संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन एवं स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण हेतु तैयारियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया।

मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद सुरेन्द्र चौधरी ने कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने एवं शिक्षा को प्राथमिकता देने को आवाहन किया। शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा वह सशक्त माध्यम है जिसके आधार पर देश की आर्थिक प्रगति और समृद्धि निर्भर करती है। कंपोजिट विद्यालय नया कटरा में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों की बदलती हुई एक बहुत ही सकारात्मक और अनूठी तस्वीर देखने को मिली। यह देखकर अत्यंत हर्ष हुआ कि अत्याधुनिक सुविधाओं, स्मार्ट क्लास और बेहतरीन संसाधनों से सुसज्जित बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूल अब बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सबसे बेहतर विकल्प बन रहे हैं। आइए, (शिक्षा के अधिकार) के इस महाभियान को हम सब मिलकर सफल बनाएं।

डीएम मनीष कुमार वर्मा ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा ही एक सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला है तथा सभी से स्कूल चलो अभियान को सफल बनाने हेतु सक्रिय सहयोग करने का आह्वान किया एवं कहा कि ''स्कूल चलो अभियान'' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा से जोड़ने का जनआंदोलन है। सभी अभिभावक अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें, ताकि वे शिक्षित होकर एक सशक्त एवं विकसित समाज के निर्माण में सहभागी बन सकें। साथ ही संचारी रोग एवं हीट वेब से बचाव हेतु बच्चों एवं नागरिकों को जागरूक किए जाने पर बल दिया।

मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक संजय कुमार कुशवाहा ने कहा कि प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। शिक्षा केवल पढ़ना-लिखना नही सिखाती, बल्कि यह बच्चों के व्यक्तित्व का निमार्ण करती है और उन्हे जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाती है। अनिल कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि जिलाधिकारी के नेतृत्व में जनपद के सभी ग्राम प्रधानों, विद्यालय प्रबंध समितियों, आंगनबाड़ी कार्यकताओं, आशा बहनों, शिक्षकों, समाज के जागरूक नागरिकों एवं अभिभावकों से अनुरोध है कि अपने आस पास ऐसे बच्चों की पहचान करें जो अभी तक विद्यालय से नही जुडें है या पढ़ाई छोड़ चुके हैं,को पुनः विद्यालय से जोड़ने का प्रयास करें, बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें जिससे वे शिक्षित होकर सशक्त, आत्मनिर्भर और जागरूक समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

कार्यक्रम में विगत वर्ष में सर्वाधिक उपस्थिति दर्ज कराने वाले बच्चों को पुस्तकें तथा स्टेशनरी देकर उत्साह वर्धन किया गया। वर्तमान सत्र में स्कूल चलो अभियान के प्रथम चरण में सर्वाधिक नामांकन करने वाले विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया गया ।अतिथियों द्वारा नव प्रवेश माला पहनाकर एवं टीका लगाकर स्वागत किया गया एवं उन्हें निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें,स्टेशनरी वितरित की गई।

मुख्य अतिथि सदस्य, विधान परिषद सुरेन्द्र चौधरी एवं डीएम मनीष कुमार वर्मा द्वारा स्कूल चलो अभियान द्वितीय फेज की रैली एवं प्रचार वाहन का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया गया। अतिथियों द्वारा विद्यालय परिसर को हरा भरा व इकोफ्रेंडली बनाए रखने के उद्देश्य से वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम स्थल को गुब्बारे, माला ,फूल आदि से सजाते हुए एक उत्सव की तरह सज्जित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को मध्यान्ह भोजन योजनांतर्गत मिष्ठान, खीर का वितरण किया गया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अवगत कराया कि शैक्षिक सत्र 2026-27 में स्कूल चलो अभियान द्वितीय चरण का उद्देश्य स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के साथ अंतरविभागीय समन्वय स्थापित करते हुए 03 से 05 वर्ष के बच्चों का नामांकन को-लोकेटेड आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं परिषदीय विद्यालय में 6 से 14 आयु वर्ग के बच्चों का चिह्नाकन कराते हुए कक्षा 01 व 06 में नवीन प्रवेश तथा अन्य बच्चों का आयु संगत कक्षा में प्रवेश सुनिश्चित किया जाना है ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

डीएम ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

मतदेय स्थलों के परिवर्तन एवं संशोधन आदि के सम्बन्ध में सभी राजनैतिक दल 6 जुलाई तक दें सकते सुझाव व शिकायतें- डीएम

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बुधवार को संगम सभागार में मतदेय स्थलों के प्रस्ताव तैयार कराये जाने के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्रीमती उपमा पाण्डेय के द्वारा बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण पूर्व गतिविधियों के अन्तर्गत सम्प्रति चल रहे मतदेय स्थलों के सम्भाजन की कार्यवाही के अन्तर्गत आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रमानुसार मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन, पुनर्निर्धारण एवं नये मतदेय स्थल स्थापित किये जाने की कार्यवाही दिनांक 28.06.2026 तक सम्बन्धित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा पूर्ण करा ली गयी है।

बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदेय स्थलों का सम्भाजन 1200 मतदाताओं के आधार पर पूर्ण कराने हेतु निर्धारित समय-सारिणी एवं सम्भाजन के सम्बन्ध में आयोग द्वारा प्राप्त निदेशों के बारे में अवगत कराते हुये बताया गया कि आपत्तियों एवं सुझावों हेतु मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची का प्रकाशन दिनांक 04.07.2026 को किया जायेगा। आलेख्य प्रकाशन दिवस के पश्चात मतदेय स्थलों के परिवर्तन एवं संशोधन आदि के सम्बन्ध में सभी राजनैतिक दल सुझाव व शिकायते सम्बन्धित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय, प्रयागराज में दिनांक 06.07.2026 तक उपलब्ध करा सकते हैं। इस अवसर पर सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

पांच जुलाई की किसान पंचायत की तैयारियां तेज, डीएम को सौंपा गया ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। तहसील सोरांव क्षेत्र के ग्राम सभा बाहर सराय, गोहरी, नारायनपुर, जूड़ा, दादूपुर सहित कई गांवों से आने वाले किसानों की प्रस्तावित विशाल किसान पंचायत की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में बुधवार को मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे ने 5 जुलाई 2026 को ग्राम गोहरी स्थित सीताराम इंटर कॉलेज के बगल आम की बगिया में आयोजित होने वाली किसान पंचायत के संबंध में जिला अधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा को ज्ञापन सौंपा।

बताया गया कि किसान पंचायत में हजारों किसानों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष शनि शुक्ला की उपस्थिति भी प्रस्तावित है। पंचायत को सफल बनाने के लिए विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान बबलू दूबे के साथ युवा मंडल अध्यक्ष अजय सिंह, युवा मंडल उपाध्यक्ष चंचल मिश्रा, पप्पू उर्फ जलीश उद्दीन, ब्लॉक अध्यक्ष ज्ञान सिंह पटेल, मंडल उपमहासचिव गोविंद बहादुर सिंह सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे ने किसान हित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा तथा चकबंदी बंदोबस्त अधिकारी संजीव कुमार का सम्मान भी किया। कार्यक्रम की तैयारियों में राम गणेश मौर्य, जीतलाल भारतीय, रामकुमार पटेल, सूरज राय, रमाशंकर पटेल, नंदलाल भारतीय, शंकरलाल पटेल, जियालाल पटेल, रंजीत पटेल सहित अनेक कार्यकर्ता सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

मंडल में चलाया जा रहा सघन टिकट चेकिंग अभियान

जून माह में 1 लाख 36 हजार से अधिक यात्री किए गए प्रभारित

जून माह में 11.06 करोड़ रुपए से अधिक वसूला गया जुमार्ना

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । मण्डल रेल प्रबन्धक/प्रयागराज रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग हरिमोहन के निर्देशन में विविध अभियान चलाता रहता है । प्रयागराज मण्डल सभी यात्रियों को अच्छा भोजन, शुद्ध पेय जल, स्वच्छ शौचालयों की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ टिकट रहित और अनियमित यात्रा करने वालो पर अंकुश लगाने के लिए स्टेशनों एवं गाड़ियों में निरंतर टिकट चेकिंग अभियान चला रहा है।

दिनांक 01 जून, 2026 से 30 जून, 2026 तक चलाये गए सघन टिकट चेकिंग अभियान में बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा, अनबुक्ड लगेज एवं धूम्रपान/गंदगी के विरुद्ध कार्रवाई की गई । इस टिकट चेकिंग अभियान के दौरान कुल 1,36,783 यात्रियों को प्रभारित कर 11,06,03,579/- रुपए का जुमार्ना वसूल किया गया। इसमें बिना टिकट यात्रा करने वाले 61,645 यात्रियों से 6,26,41,452/- रुपए, अनियमित यात्रा करने वाले 72,765 यात्रियों से 46,71,9308/- रुपए, अनबुक्ड लगेज के लिए 24 यात्रियों से 18,850/- रुपये जुमार्ना एवं एवं धूम्रपान/गंदगी फैलाने वाले 2349 यात्रियों से 12,23,969/- रुपये जुमार्ना वसूला गया । स्टेशन वार प्रभारित यात्रियों एवं जुमार्ने का विवरणः।

जल निगम की मोटर हुई जाम उपभोक्ता परेशान

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर विकास खण्ड के ढकपुरा गांव में स्थापित जल निगम के नलकूप की मोटर जम होने से क्षेत्र के सैकड़ों उपभोक्ता पानी के लिए परेशान है। निर्माण शाखा उ०प्र० जलनिगम ढुकपुरा शाखा की मोटर में तकनीकी खराबी आने से मोटर जाम हो गई। कई दिनों से विभागीय तकनीशियन लगे हैं परन्तु मोटर की खराबी दुरूस्त न हो पाने के कारण लगातार पेयजल संकट बना हुआ है। कनेक्शन धारी पानी के लिये दर दर भटक रहे हैं। ग्रामीणों का कथन है जब से ठेकेदारी व्यवस्था पर ढुकपुरा पम्प हाउस दे दिया गया है तब से आये दिन तकनीकी खराबी से उपभोक्ताओं को दिक्कत उठानी पड़ रही है। पम्प हाउस में कार्यरत मिस्त्री अतुल मौर्य ने बताया कि विभागीय जिम्मेदारों को सूचना दे दी गई है मोटर जल्द ही खोल कर ले जायेंगे। राकेश मोदनवाल, मनोज गुप्ता, किसन, संदीप सोनी, शेरू गुप्ता, आदि ने अविलम्ब मोटर दुरूस्त कराने की विभाग से मांग की है।

प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा का बुलडोजर से पुष्पवर्षा करके किया गया भव्य स्वागत

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! बिजनौर जिले में उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा के आगमन पर भाजपा कार्यकताओं ने उनका बुलडोजर से पुष्प वर्षा करके भव्य स्वागत किया। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी स्वागत के लिए पहुंचे। कार्यकताओं ने बुलडोजर के माध्यम से पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। कान्हा बैंक्वेट हॉल में आयोजित स्वागत समारोह के बाद एक सभा का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान सहित कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने सुरेश राणा का स्वागत किया। इस दौरान कार्यकताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था और बारिश भी उनके जोश को कम नहीं कर सकी। सभा को संबोधित करते हुए सुरेश राणा ने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भाजपा कार्यकताओं की प्राथमिकता है। पूर्व मंत्री ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर विश्वास जताते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा को जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त है। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए उसके पूर्व शासनकाल में कानून-व्यवस्था और भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर आरोप लगाए। राणा ने दावा किया कि जनता अब विकास और सुशासन की राजनीति के साथ खड़ी है तथा केंद्र और प्रदेश सरकार के कार्यों पर अपना विश्वास जता रही है।

युवक पर धारदार हथियार से हमला, पांच नामजद सहित दो अज्ञात पर केस

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र के महरौड़ा गांव में घर में घुसकर धारदार हथियार से हमला करने के आरोप में पुलिस ने पांच नामजद समेत दो अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। घटना में महिला के बेटे और उसके रिश्तेदार समेत तीन लोगों के घायल होने का आरोप लगाया गया है।

महरौड़ा गांव निवासी नूरजहां की तहरीर के अनुसार २६ जून की शाम करीब तीन बजे कमर आजम, तौसीक असगर उर्फ कैफी, कैस यूसुफ उर्फ सुल्हानी, मोहम्मद अल्ताफ और दो अज्ञात लोग उनके घर में घुस आए। आरोप है कि सभी ने धारदार हथियार से हमला कर उनके बेटे मुजम्मिल उद्दीन और उसके साले गुलाम सारिब के सिर पर वार कर घायल कर दिया। विवाद के दौरान सुबुही को भी चोटें आईं पीड़िता का यह भी आरोप है कि इससे पहले भी आरोपितों ने उनके घर पर अवैध हथियार से फायरिंग की थी, जिसका वीडियो उनके पास मौजूद है। घटना के दौरान आरोपित गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपितों से उनके परिवार को लगातार खतरा बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों से तहरीर के आधार पर काररवाई की जा रही है।

प्रयागराज में करंट से 12वीं के छात्र की मौत, परिजनों ने मार्केट संचालक पर लगाए गंभीर आरोप

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। शहर के शिवकुटी थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर करंट लगने से 12वीं के छात्र की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सब्जी मार्केट के पास रखी एक खाली गुमटी में करंट दौड़ रहा था,जिसकी चपेट में आने से छात्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। घटना शिवकुटी थाना क्षेत्र के गोविंदपुर सब्जी मार्केट के पास की है। जानकारी के अनुसार, सब्जी कारोबारी राज कुमार यादव का 18 वर्षीय बेटा यश यादव बुधवार दोपहर करीब ढाई बजे गुमटी लेने के लिए वहां पहुंचा था। इसी दौरान गुमटी में उतरे करंट की चपेट में आ गया। करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया।

मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया और अस्पताल ले जाने की तैयारी की,लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि सब्जी मार्केट संचालक व कारोबारी संत राज ने गुमटी चोरी होने के डर से उसमें बिजली का करंट लगा रखा था। परिजनों का कहना है कि यश ने यह गुमटी 10 हजार रुपये में खरीदी थी और ऑनलाइन भुगतान भी किया था। बुधवार को जब वह गुमटी लेने पहुंचा तो उसमें पहले से करंट दौड़ रहा था,जिसकी जानकारी उसे नहीं दी गई। परिजनों ने कारोबारी संत राज के खिलाफ शिवकुटी थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

यूपीटीईटी-2026 परीक्षा के परीक्षार्थियों हेतु प्रयागराज मंडल की विशेष तैयारियाँ

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा दिनांक 02, 03 एवं 04 जुलाई, 2026 को आयोजित होने वाली यूपीटीईटी-2026 परीक्षा में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के रेलमार्ग से आवागमन की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए प्रयागराज मंडल द्वारा व्यापक परिचालनिक, वाणिज्यिक एवं सुरक्षा संबंधी तैयारियाँ सुनिश्चित की गई हैं। मंडल कार्यालय स्थित वार रूम में अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जहाँ से संपूर्ण व्यवस्था की सतत निगरानी एवं समन्वय किया जाएगा। आवश्यकता एवं यात्री मांग के अनुसार परीक्षा विशेष (एग्जाम स्पेशल) ट्रेनों का संचालन भी किया जाएगा, ताकि परीक्षार्थियों एवं अन्य यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ जंक्शन, टूंडला तथा मिर्जापुर सहित प्रमुख स्टेशनों पर वाणिज्य, परिचालन एवं सुरक्षा विभाग के पर्याप्त कर्मचारियों की तैनाती की गई है। स्टेशन परिसरों एवं यात्री आवागमन की गतिविधियों की सतत निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जाएगी, जिससे भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी बनी रहे।

सभी प्रमुख स्टेशनों पर टिकट काउंटरों पर पर्याप्त कर्मचारियों की तैनाती, पूछताछ काउंटरों को सुदृढ़ करने, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को निरंतर आवश्यक सूचनाएँ उपलब्ध कराने तथा रेलवे सुरक्षा बल एवं राजकीय रेलवे पुलिस की अतिरिक्त तैनाती सुनिश्चित की गई है। साथ ही रेलवे कर्मचारियों को परीक्षार्थियों का मार्गदर्शन करने एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के विशेष निर्देश दिए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, आवश्यकता पड़ने पर कुछ नियमित ट्रेनों को मार्ग में अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जा सकता है अथवा उनके संचालन समय में परिचालनिक आवश्यकता के अनुरूप परिवर्तन किया जा सकता है। इससे अधिकाधिक परीक्षार्थियों को अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुँचने तथा परीक्षा उपरांत वापसी यात्रा में सुविधा प्राप्त होगी। रेलवे प्रशासन परिस्थितियों एवं यात्री मांग के अनुरूप आवश्यक परिचालनिक निर्णय लेते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करेगा।

प्रयागराज मंडल सभी परीक्षार्थियों से अपील करता है कि वे निर्धारित समय से पर्याप्त पूर्व स्टेशन पहुँचें, वैध टिकट लेकर यात्रा करें तथा रेलवे प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। रेलवे प्रशासन सभी परीक्षार्थियों एवं यात्रियों को सुरक्षित, समयबद्ध एवं सुविधाजनक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

सपाइयों ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का धूमधाम से मनाया जन्मदिन

पौधारोपण कर 2027 में सपा की सरकार बनाने का लिया संकल्प

मौजी लाल रावत
सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के सिरसा चौराहे पर समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष पंधारी यादव के नेतृत्व में बुधवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने केक काटकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण और पौधों का वितरण किया। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव को पुनः उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प भी लिया।

अपने संबोधन में पंधारी यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियां और जनहितकारी कार्य ही प्रदेश के विकास का आधार हैं। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर पार्टी की विचारधारा और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संतलाल यादव (प्रधान), गुलाब पटेल, डॉ. कोमल भारतीय, बबलू बत्ती, राकेश यादव, छत्तरधारी, सुरेश मौर्य, राम आसरे, सुमित विश्वकर्मा, लल्लू राम भारतीय, सतीराम सरोज, ज्ञानचंद्र, पचूराम भारतीय, दूधनाथ यादव, पवन यादव, बृजेश यादव (सदस्य जिला पंचायत), रूपनाथ पाल, मोहम्मद कैफ, दयाराम यादव, राजनाथ, संजय मौर्य, विवेक यादव सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

इफको फूलपुर ठेका मजदूर संघ ने पेपर लीक पर मांगा धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। इफको फूलपुर ठेका मजदूर संघ संबंध एक्टू ने बुधवार को इफ्को सब्जी मंडी के पास धरना प्रदर्शन करते हुए। दिल्ली के जंतर मंतर पर पेपर लीक मामले में चल रहे छात्रों के आंदोलन के समर्थन में प्रदर्शन किया। यूनियन के महामंत्री एवं एक्टू जिला सचिव कामरेड देवानंद ने कहा की पूरे देश में शिक्षा का हाल बदहाल होता जा रहा है नीट पेपर लीक होने के बाद परीक्षा प्रणाली से भी छात्रों का भरोसा उठ गया है।

उन्होंने कहा की ना सिर्फ नीट परीक्षा में पेपर लीक का मामला पूरे देश के छात्र नौजवानों को झकझोरा है, साथ ही साथ उत्तर प्रदेश में असिस्टेंट प्रोफेसर, यूपीएसआई, लेखपाल भर्ती में अपारदर्शिका और भ्रष्टाचार का मामला भयानक रूप से परेशान कर दिया है। शिक्षा परीक्षा दुर्व्यवस्था से परेशान होकर छात्रों नौजवानों ने पूरे देश में आवाज उठाई लेकिन उनकी आवाज को अनसुना कर दिया गया। इससे परेशान होकर दर्जनो छात्रों ने आत्महत्या तक कर लिया। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश छात्रों के पक्ष फैसला सुनाने बजाय छात्रों को ही कॉकरोच परजीवी बोल दे रहे हैं। इस दुर्व्यवस्था और अपमान के खिलाफ छात्र पिछले 12 दोनों से जंतर मंतर नई दिल्ली में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं

इफको फूलपुर ठेका मजदूर संघ भूख हड़ताल का समर्थन करता है.

यूनियन के अध्यक्ष कामरेड जयप्रकाश जी ने कहा कि यह आंदोलन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की इस्तीफे तक जारी रहेगा कार्यक्रम में रामचंद्र यादव, हिंदलाल, राजनाथ, कमलाशंकर, रामबहादुर, आजाद, बबलू आदि लोग मौजूद रहे।

पत्रकारों की एकजुटता से मजबूत होगा लोकतंत्र : डॉ. उपाध्याय

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की बैठक में संगठन विस्तार, पत्रकार सुरक्षा व निष्पक्ष पत्रकारिता पर हुआ व्यापक मंथन

सबसे तेज प्रयागराज

सहसो। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ (गंगापार) की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को सहसो स्थित शुक्ला रेस्टोरेंट में राष्ट्रीय संयोजक डॉ.भगवान प्रसाद उपाध्याय ने बैठक में संगठन के विस्तार, पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान, अधिकारों की रक्षा, निष्पक्षपत्रकारिता तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। राष्ट्रीय संयोजक डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय ने उपस्थित पत्रकारों को संगठन का परिचय-पत्र एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया।मुख्य अतिथि डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होने के साथ-साथ समाज की सशक्त आवाज हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को सत्य, निष्पक्षता, निर्भीकता और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कलम की शक्ति समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। पत्रकारों का दायित्व है कि वे जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाएं तथा समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से पालन करें।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारों के समक्ष अनेक चुनौतियां हैं, जिनका सामना केवल मजबूत संगठन के माध्यम से ही किया जा सकता है। इसलिए सभी पत्रकारों को संगठन की मजबूती और आपसी एकजुटता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि पत्रकारों के अधिकारों, सम्मान और सुरक्षा की प्रभावी ढंग से रक्षा हो सके।विशिष्ट अतिथि एवं कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद

ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते हैं। वे अपनी लेखनी के माध्यम से जनसमस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। लोकतंत्र की मजबूती में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और उनके हितों की रक्षा समाज तथा सरकार दोनों की जिम्मेदारी है।वरिष्ठ संपादक संतोष उपाध्याय ने बदलते मीडिया परिदृश्य, पत्रकारिता की चुनौतियों तथा पत्रकार हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को संगठन की एकजुटता बनाए रखते हुए जनसरोकार की पत्रकारिता को प्राथमिकता देनी चाहिए तथा युवा पत्रकारों को भी संगठन से जोड़कर उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करनी चाहिए।बैठक के दौरान संगठन के विस्तार, नए सदस्यों को जोड़ने, पत्रकारों की समस्याओं के समाधान, पत्रकार सुरक्षा, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि गांव से लेकर जिला स्तर तक संगठन को मजबूत बनाकर पत्रकारों की आवाज को और प्रभावी बनाया जाएगा।कार्यक्रम में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. जगत नारायण सिंह ने भी अपने विचार रखते हुए पत्रकारिता के सामाजिक दायित्वों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है।इस अवसर पर जमुनापार के जिलाध्यक्ष राजेंद्र पांडे, प्रो. डॉ. जगत नारायण सिंह, सज्जन द्विवेदी, राधावल्लभ, गामा द्विवेदी, शुभम उपाध्याय, श्याम कृष्ण शुक्ला, पिंटू, कृष्ण मोहन मौर्य, विनोद विश्वकर्मा, जयकृष्ण (वीरू) पांडे, देवराज उपाध्याय, रामनरेश यादव, जितेंद्रनाथ चौधरी, राजेंद्र तिवारी, हर्षदेव तिवारी, डॉ. अमर सिंह पटेल, के.के. यादव, सुनील कुमार पांडेय, शिवम नंदन त्रिपाठी, वीरेंद्र कुमार, बिंदु गुप्ता, कृष्ण कुमार यादव, कमलराज साहू, अश्वनी कुमार मिश्रा, मोहित यादव, अनिल कुमार पांडे, रवि प्रकाश पटवा, कमलेश कुमार विश्वकर्मा, स्वदेश तिवारी, वरुण राय सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय पत्रकार उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में फूलपुर तहसीलके अध्यक्ष जयकृष्ण (वीरू) पांडे ने आए हुए सभी अतिथियों एवं पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा और हितों के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। बैठक का समापन पत्रकारों द्वारा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा निष्पक्ष एवं जनपक्षीय पत्रकारिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने के साथ हुआ।

संपादकीय

फोन की स्क्रीन से लेकर समाज तक फैलता उन्माद

रोज सुबह आँख खुलते ही हम सबसे पहले क्या करते हैं? तकिए के नीचे से फोन निकालते हैं और वॉट्सऐप या फेसबुक स्क्रॉल करने लगते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से सुबह-सुबह मूड फ्रेश होने की बजाय दिमाग खराब हो जाता है। स्क्रीन पर कोई न कोई ऐसा वीडियो या पोस्ट दिख ही जाती है, जहाँ लोग एक-दूसरे को गाली दे रहे होते हैं। कोई धर्म के नाम पर लड़ रहा है, कोई जाति के नाम पर, तो कोई अपनी पसंदीदा राजनीतिक पार्टी के चक्कर में सामने वाले को नीचा दिखा रहा है। पढ़े-लिखे लोग इसे हेट स्पीच कहते हैं, पर सीधी भाषा में कहें तो यह सीधे-सीधे नफरत फैलाना और समाज में जहर घोलना है।

कभी सोचा है कि जो भाषा हम अपनों से बात करने के लिए इस्तेमाल करते थे, वो आज दूसरों को जख्म देने का औजार कैसे बन गई? अरे भाई, सीधा सा हिसाब है झ आज नफरत का एक बहुत बड़ा धंधा चल रहा है। पुराने जमाने में अगर दो लोगों की लड़ाई होती थी, तो मोहल्ले के चार लोग आकर बीच-बचाव कर देते थे और बात वहीं रफा-दफा हो जाती थी। लेकिन आज इंटरनेट और स्मार्टफोन के दौर में कहानी बदल चुकी है। अब किसी ने बंद कमरे में बैठकर कैमरे के सामने कोई भड़काऊ बात बोली, सोशल मीडिया पर डाली, और चंद सेकंड में वो वीडियो देश के कोने-कोने में बैठे करोड़ों लोगों के फोन तक पहुँच गया। सोशल मीडिया कंपनियाँ भी कमाल हैं, उनके कंप्यूटर प्रोग्राम यानि एल्गोरिदम को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि देश में शांति है या नहीं। उन्हें बस फायदा देखना है। जिस पोस्ट पर लोग जितना ज्यादा गुस्सा करेंगे, गाली-गलौज वाले कमेंट लिखेंगे, वो पोस्ट उतनी ही ज्यादा वायरल होगी। यानी जितनी ज्यादा नफरत, उतना ज्यादा मुनाफा। पर इस पूरी नौटंकी में पिस कौन रहा है? हम और आप। हमारा वो आपसी भरोसा टूट रहा है जो बरसों से साथ रहने से बना था। यह जहरीली बातें सिर्फ स्क्रीन तक सीमित नहीं रहतीं, ये धीरे-धीरे हमारे दिमाग में घर कर जाती हैं। जब हम रोज सुबह-शाम अपने फोन पर नफरत भरा कचरा देखेंगे, तो अनजाने में हमारे भीतर भी सामने वाले के लिए शक पैदा होने लगेगा। सड़क पर चलते हुए हम अपनों को भी शक की निगाह से देखने लगते हैं। अदालतें चिल्ला रही हैं, पुलिस भी कभी-कभार पकड़-धकड़ करती है, लेकिन सिर्फ कानून के भरोसे बैठना बेवकूफी होगी। पुलिस तो तब आएगी जब दंगा हो चुका होगा या किसी का सिर फूट चुका होगा। लेकिन जो जहर लोगों के दिलों में घुल चुका है, उसे साफ करने के लिए कोर्ट की कोई धारा काम नहीं आएगी। इस बीमारी का इलाज डॉक्टर के पास नहीं, हमारे खुद के पास है। हमें अपनी उंगलियों पर थोड़ा कंट्रोल रखना होगा। जब भी फोन पर कोई ऐसा मैसेज आए जिसे पढ़कर गुस्सा आए या जो किसी समाज के खिलाफ हो, तो उसे आगे फॉरवर्ड करने की बजाय वहीं डिलीट मार दें। हमारी एक छोटी सी समझदारी किसी बड़ी अनहोनी को टाल सकती है। हर वायरल होने वाली चीज को सच मत मानिए, थोड़ा रुककर सोचिए कि इसे फैलाने वाले का क्या फायदा है। दुनिया में हर इंसान एक जैसा नहीं सोच सकता, और यही खूबसूरती है। लेकिन अलग राय होने का मतलब यह नहीं कि हम लाठियां उठा लें या जबान से तीर चलाएं। बात ऐसी होनी चाहिए जो दिलों को जोड़े, न कि दीवारें खड़ी करे। अगली बार जब फोन पर अंगूठा चलाएं, तो याद रखें कि उस पार भी हमारी ही तरह हाड़-मांस का एक इंसान बैठा है।

क्या पासपोर्ट आपकी नागरिकता का अचूक कानूनी दस्तावेज है?

अशोक भाटिया

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में कागज यानी आधिकारिक दस्तावेजों की भूमिका आम आदमी के जीवन में सर्वोपरि है। जन्म प्रमाण पत्र से लेकर मृत्यु प्रमाण पत्र तक, एक नागरिक का पूरा अस्तित्व सरकारी रिकॉर्ड के पन्नों में सिमटा होता है। इसी व्यवस्था के बीच एक बहुत पुरानी और गहरी सामाजिक धारणा चली आ रही है कि यदि किसी व्यक्ति के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया चमचमाता हुआ वैध पासपोर्ट है, तो वह देश का अकाट्य नागरिक है। आम तौर पर माना जाता है कि पासपोर्ट का होना ही राष्ट्रीयता की अंतिम संप्रभु मुहर है।

लेकिन कानून की दुनिया धारणाओं से नहीं, बल्कि वैधानिक संहिताओं और न्यायिक व्याख्याओं से चलती है। हाल ही में विदेश मंत्रालय द्वारा दिए गए एक स्पष्टीकरण ने इस विषय पर देशव्यापी बहस को दोबारा जीवित कर दिया है। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने दो-टूक शब्दों में स्पष्ट किया कि भारतीय पासपोर्ट मूल रूप से केवल एक यात्रा दस्तावेज है, न कि नागरिकता का अंतिम या संप्रभु प्रमाण । इस बयान ने आम जनमानस में अनगिनत सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि देश की सीमाओं को पार करने की अनुमति देने वाला सर्वोच्च दस्तावेज भी नागरिकता का अकाट्य प्रमाण नहीं है, तो फिर आखिर कानून की नजर में नागरिकता का वास्तविक आधार क्या है?

इस पूरे कानूनी पेंच को समझने के लिए हमें भारत के दो अलग-अलग कानूनों के बुनियादी अंतर को समझना होगा। पहला है नागरिकता अधिनियम, 1955 और दूसरा है पासपोर्ट अधिनियम, 1967। नागरिकता अधिनियम, 1955 भारत में नागरिकता प्राप्त करने, उसके बने रहने या उसकी समाप्ति के लिए एकमात्र संप्रभु कानून है। यह कानून तय करता है कि कौन व्यक्ति भारतीय है और कौन नहीं। इसके विपरीत, पासपोर्ट अधिनियम, 1967 मुख्य रूप से एक विनियामक कानून है। इसका प्राथमिक उद्देश्य भारतीय नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय यात्रा की सुविधा प्रदान करना, विदेशों में उन्हें भारत सरकार का राजनयिक संरक्षण दिलाना और देश से बाहर जाने व वापस आने की प्रक्रियाओं को विनियमित करना है।

अंतरराष्ट्रीय नियमों जैसे इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन के तहत, पासपोर्ट पर अंकित राष्ट्रीयता विदेशी बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर यह प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त है कि संबंधित व्यक्ति किस देश का प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन घरेलू स्तर पर, विशेष रूप से जब किसी व्यक्ति की कानूनी नागरिकता पर विवाद खड़ा होता है, तो पासपोर्ट की भूमिका केवल प्रथम दृष्टया साक्ष्य तक सीमित हो जाती है। इसका मतलब यह है कि जब तक किसी व्यक्ति की नागरिकता को चुनौती नहीं दी जाती, तब तक पासपोर्ट को उसकी भारतीय पहचान का मजबूत आधार माना जाएगा। परंतु, जैसे ही मामला अदालत में जाएगा, पासपोर्ट स्वतः ही एक निर्णायक प्रमाण होने का दर्जा खो देता है।

भारतीय न्यायपालिका ने भी समय-समय पर इस कानूनी स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट किया है। अदालतों का हमेशा से यह मानना रहा है कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं के तहत जारी किए गए पहचान पत्र नागरिकता के मूल कानूनी सिद्धांतों को प्रतिस्थापित नहीं कर सकते।

सर्वोच्च न्यायालय का रुख (मेनका गांधी बनाम भारत संघ, 1978) बताता है : इस ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पासपोर्ट को व्यक्तिगत स्वतंत्रता (अनुच्छेद 21) का हिस्सा माना और कहा कि विदेश यात्रा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। हालाँकि, अदालत ने यह भी माना कि पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया एक प्रशासनिक कृत्य है, जो पुलिस सत्यापन पर आधारित होती है। चूंकि पुलिस सत्यापन एक सतत प्रक्रिया नहीं है और केवल एक निश्चित समय पर की गई जांच है, इसलिए इसे नागरिकता का स्थायी या अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय (मई 2026) के अनुसार एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम भारत निर्वाचन आयोग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने साफ किया कि मतदाता सूची से किसी व्यक्ति का नाम हटने मात्र से उसकी नागरिकता समाप्त नहीं हो जाती और न ही मतदाता सूची में नाम होना नागरिकता का अंतिम प्रमाण है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नागरिकता का निर्धारण केवल और केवल नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत स्थापित न्यायाधिकरणों या प्रक्रियाओं द्वारा ही किया जा सकता है?

बॉम्बे हाई कोर्ट ने २०१३ में ही यह सिद्धांत प्रतिपादित कर दिया था कि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम दस्तावेज नहीं है। इसके बाद, अगस्त २०२५ में बाबू अब्दुल रऊफ सरदार बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले में न्यायमूर्ति अमित बोरकर की पीठ ने इस स्थिति को और कड़ा करते हुए कहा कि केवल आधार कार्ड, पैन कार्ड या वोटर आईडी होना किसी व्यक्ति को भारत का नागरिक नहीं बनाता। ये दस्तावेज केवल नागरिक सेवाएं प्राप्त करने या कर चुकाने के माध्यम हैं, नागरिकता साबित करने के कानूनी हथियार नहीं।

कानूनी विशेषज्ञों और नीति निमार्ताओं के पास पासपोर्ट को नागरिकता का अकाट्य प्रमाण न मानने के पीछे अत्यंत ठोस और तार्किक कारण हैं। इन्हें मुख्य रूप से दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है:

१. धोखाधड़ी और जालसाजी की निरंतर चुनौतियाँ

हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं जहाँ तकनीक के विकास के साथ-साथ दस्तावेजों की जालसाजी भी अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। देश में ऐसे सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं जहाँ अवैध प्रवासियों या असामाजिक तत्वों ने फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, जाली राशन कार्ड या हेरफेर किए गए स्थानीय दस्तावेजों के आधार पर पुलिस सत्यापन को चकमा दिया और वैध भारतीय पासपोर्ट हासिल कर लिया। यदि भारतीय कानून यह मान ले कि पासपोर्ट ही नागरिकता का अंतिम और अकाट्य प्रमाण है, तो भविष्य में किसी भी ऐसे व्यक्ति की नागरिकता को चुनौती देना या उसे देश से निर्वासित करना असंभव हो जाएगा जिसने धोखाधड़ी से पासपोर्ट हासिल कर लिया है।

कानून को हमेशा देश की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के लिए एक ऐसा झरोखा खुला रखना पड़ता है जिससे किसी भी दस्तावेज की वैधता की दोबारा जांच की जा सके?

२. दोहरी नागरिकता का अभाव और नागरिकता का स्वतः अवसान

भारतीय संविधान का अनुच्छेद ९ देश में एकल नागरिकता का प्रावधान करता है। भारत का कोई भी नागरिक एक ही समय में किसी दूसरे देश का नागरिक नहीं हो सकता। नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा ९ के अनुसार, जैसे ही कोई भारतीय नागरिक स्वेच्छा से किसी विदेशी राष्ट्र की नागरिकता या पासपोर्ट स्वीकार करता है, उसकी भारतीय नागरिकता उसी क्षण, कानूनी रूप से स्वतः समाप्त हो जाती है।

अब इस व्यावहारिक स्थिति की कल्पना कीजिए: एक भारतीय नागरिक ने अमेरिका जाकर वहाँ की नागरिकता ले ली। कानूनन वह अब भारत का नागरिक नहीं रहा। लेकिन, चूंकि उसका भारतीय पासपोर्ट अभी समय सीमा के भीतर है और उसने इसे भारतीय दूतावास में सरेंडर नहीं किया है, इसलिए भौतिक रूप से वह पासपोर्ट उसके पास ही रहेगा। यदि पासपोर्ट को नागरिकता का अचूक प्रमाण मान लिया जाए, तो वह व्यक्ति गैर-कानूनी रूप से भारत का नागरिक होने का दावा करता रहेगा। इसलिए, अदालतें मानती हैं कि पासपोर्ट केवल एक दस्तावेजी स्थिति को दर्शाता है, वास्तविक कानूनी स्थिति को नहीं।

भारत में नागरिकता निर्धारण की जटिल क्रोनोलॉजी -चूंकि भारत में अमेरिका या कुछ यूरोपीय देशों की तरह कोई एक एकल राष्ट्रीय नागरिकता कार्ड नहीं है, इसलिए नागरिकता साबित करने की प्रक्रिया पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करती है कि संबंधित व्यक्ति का जन्म कब हुआ था। भारत ने समय के साथ जस सोली से जस सैंग्विनिस रक्त या वंश के आधार पर नागरिकता की ओर रुख किया है।

नशामुक्त भारत का लक्ष्य 2047 क्यों ?

सीता राम शर्मा
चेतन

भारत के गृह मंत्री के नशामुक्त भारत के संकल्प के बाद देश के कई राज्यों के सत्ता और शासन के द्वारा भी नशामुक्त राज्य की बात की जाने लगी है, जो निःसंदेह स्वागत योग्य और अनुकरणीय है ! पिछले दिनों झारखंड सरकार के द्वारा भी नशामुक्त झारखंड का संकल्प लेने के साथ उस पर त्वरित प्रयास प्रारंभ कर दिया गया है, इसके लिए झारखंड सरकार विशेषकर उसके मुखिया साधुवाद के पात्र हैं । हेमंत को उनके इस संकल्प के लिए, जो संभवतः उन्हें अपने स्वर्गीय पिता और झारखंड राज्य के जनक परम श्रद्धेय शिबू सोरेन जी से विरासत में मिला है, संपूर्ण राज्य की जनता की तरफ से अशेष बधाई, आशीष और अनंत शुभकामनाएं । व्यक्तिगत रूप से झारखंड का एक चिंतनशील लेखक, गिलहरी स्वरूप सामाजिक कार्यकर्ता और नशों के विरुद्ध निरंतर चिंतन तथा संघर्ष करने वाला आम नागरिक होने के नाते जितना उत्साहित और कृतार्थ महसूस कर रहा हूं किसी भी स्थिति में उसका शाब्दिक वर्णन असंभव है !

मुझे याद है 1992 में, जब झारखंड अलग राज्य नहीं बना था, मैंने संपूर्ण बिहार में शराबबंदी की मांग को लेकर अपने कुछ युवा साथियों के साथ मिलकर कई बार धरना-प्रदर्शन और रांची के मोहल्लों में नशों से पीड़ित महिलाओं-बच्चों के बीच जागरूकता अभियान चलाया था । सौभाग्य से उस दरम्यान प्रभात खबर के संपादक हरिवंश थे, जो एक सामाजिक संस्था जनपरिषद, जिसका मैं संयुक्त सचिव बनाया गया था और वे संरक्षक थे, जो वर्तमान समय में देश के राज्यसभा के उपसभापति हैं, उन्होंने उस आंदोलन में पत्रकारिता से संबंधित सहयोग दिया था । उस आंदोलन की विशेष रूप से स्मरणीय बात यह भी रही थी कि उन दिनों देश में काग्रेस की सरकार थी और प्रतिपक्ष नेता थे परम श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी, जिन्हें मैंने 2 अक्टूबर 1992 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बिहार में पूर्ण शराबबंदी के लिए अपने एक साथी के साथ आमरण अनशन पर बैठने की सूचना देते हुए उनसे वहां आने का आग्रह किया था । दुर्भाग्य से वामपंथी दलों की तीन दिवसीय बंदी के कारण रेल यातायात प्रभावित हुआ और हम नहीं जा पाए, पर आश्चर्य की बात यह रही कि वाजपेई जी ने मेरे पत्र का जवाब देते हुए मुझे भाजपा के क्षेत्रीय नेताओं के साथ जुड़कर काम करने का सुझाव दिया था । कुछ मूलभूत नैतिक और सैद्धांतिक विवशता रही कि मैंने ऐसा नहीं कर पाने का विवशतापूर्ण संदेश उन्हें भेजा, जो संभवतः उन्हें भी उचित और विवशतापूर्ण ही लगा होगा । खैर, फिलहाल बात वर्तमान की, तो यह अत्यंत सुखद है कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी बहुत पहले से लागू है और अत्यंत पीड़ादायक बात यह है कि झारखंड में आज भी शराब अपना दुष्प्रभाव जारी रखे हुए है । झारखंड में अशिक्षा, गरीबी, अपराध, आतंक का एक मुख्य कारण नशाखोरी है । देर से ही सही यदि नशामुक्त झारखंड के संकल्प पर सरकार पूरी ईमानदारी और जवाबदेही से काम करे तो यह ना सिर्फ झारखंड की जनता के लिए बल्कि हेमंत सरकार के लिए भी एक बड़ी और अभूतपूर्व परिणाम देने वाली उपलब्धि सिद्ध होगी ।

अब ज्वलंत सवाल यह है कि भारत सरकार ने नशामुक्त भारत के लिए 2047 का लक्ष्य क्यों रखा ? बड़ा सवाल यह भी कि नशामुक्त भारत का लक्ष्य नशामुक्त भारत है या ड्रग्स मुक्त भारत ? क्योंकि संसद से लेकर सार्वजनिक मंचों तक सरकार नशामुक्त भारत की बात करते हुए मुख्य रूप से ड्रग माफियाओं और अतंरराष्ट्रीय तस्करों की बात करती है ना कि गुटखा, सिगरेट, तंबाकू, गांजा और शराब जैसे सभी नशों की ! जिनका नशाखोरी के लिए आज भी ज्यादा उपयोग हो रहा है और सच्चाई तो यही है कि ड्रग्स जैसे खतरनाक नशों के ज्यादातर शिकार वही लोग होते हैं जो पहले इन नशों का सेवन कर रहे होते हैं । गौरतलब है कि प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार भारत की पच्चीस प्रतिशत आबादी (लगभग सैंतीस करोड़ जनमानस) नशाखोरी का शिकार है । देश में प्रतिवर्ष लगभग तेरह लाख लोगों की मौत तंबाकू, गुटखा, सिगरेट जैसे नशों के कारण हुई बीमारियों से होती है । नशाखोरी से देश की जीडीपी के नुकसान का प्रतिशत ढाई है । विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार लगभग नब्बे प्रतिशत आपराधिक घटनाएं नशों की अवस्था में या उसके कारण होती हैं । इन सवालों और आंकड़ों पर ज्यादा विचार करने के पहले एक जरूरी जानकारी यह कि देश की सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानवीय संपदा को नशों में लिप्त रखने के लिए सरकार को इन घोर स्वास्थ्य नाशक, अपराध जनक नशों के उत्पादन और विक्रय से लगभग ढाई लाख करोड़ रुपए का भारी भरकम राजस्व लाभ होता है और इन नशों से उत्पन्न बीमारियों, मानवीय त्रासदियों पर खर्च की अनुमानित राशी है डेढ़ लाख करोड़ रुपए ! अर्थात नशों की इस जन विरोधी, वीभत्स और घोर यातनादायक नीति से राजस्व लाभ होता है लगभग एक लाख करोड़ रुपए ! अब सवाल यह कि क्या राजस्व लाभ के लिए नशों का उत्पादन और विक्रय उचित है ? क्या कोई सरकार, जो जन स्वास्थ्य, जीवन और चरित्र को खतरे में डाल कर राजस्व लाभ कमाती है, उसे नैतिक, जिम्मेवार, जन हितैषि और देशभक्त सरकार कहना सही है ?

ईरान कैसे बना महाशक्ति

तनवीर जाफरी

अमेरिका, इजराइल द्वारा ईरान पर जून 2025 में 12 दिन का और उसके बाद 28 फरवरी 2026 को लगभग 40 दिन का युद्ध थोपा गया था। अचानक थोपे गये इस युद्ध में हालांकि ईरान को जान व माल का काफी नुकसान हुआ परन्तु ईरान ने भी परमाणु शक्ति संपन्न हुये बिना ही इन दोनों परमाणु शस्त्र संपन्न देशों को ऐसा करारा जवाब दिया कि आखिरकार स्वयं को विश्वविजेता कहलाने वाले अमेरिका को युद्ध से बाहर निकलने के रास्ते तलाशने पड़े। इतने कम समय के युद्ध में अमेरिका व इस्त्राईल को इतना नुक़सान पहले कभी नहीं उठाना पड़ा। आज अमेरिका से लेकर इस्त्राईल तक की जनता यह स्वीकार कर रही है कि इस युद्ध में हर मोर्चे पर ईरान ही विजेता रहा है । क्योंकि ईरान अमेरिका द्वारा युद्धोपरांत हस्ताक्षर किये गये सहमति पत्र में स्वीकार की गयी अधिकांश बातें ईरान के हक में तथा ईरान को फायदा पहुँचाने वाली हैं। हालांकि अमेरिका द्वारा पुनः युद्धविराम के समझौते का उल्लंघन कर ईरान पर कई बड़े हमले करने व ईरान द्वारा भी कुवैत व बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर कड़ी जवाबी कार्रवाई करने के समाचार हैं। ऐसे में सवाल यह है कि लगभग 50 वर्षों से वैश्विक प्रतिबंधों का भी सामना करने वाले इस देश ने अत्यंत सीमित संसाधनों के बावजूद अमेरिका व इजराइल जैसे शक्तिशाली,चालबाज व छल कपट में माहिर देशों का एक साथ मुकाबला कैसे किया ?

इसमें कोई संदेह नहीं कि ईरानी लोग मुसलमानों के उस शिया वर्ग से सम्बन्ध रखते हैं जो हजरत

अली,हजरत इमाम हुसैन व करबला की उस घटना से प्रेरणा लेते हैं जो असत्य,अन्याय व अत्याचार के आगे कभी सर न झुकाने की सीख देती है। इसके साथ साथ ईरान ने धरातल पर जो दूरगामी व सधी हुई रणनीति अपनाई उसी ने ईरान को न केवल अमेरिका व इस्त्राईल जैसे परमाणु शक्ति संपन्न देशों पर विजय दिलाई बल्कि ईरान को विश्व की महाशक्तियों की सूची में भी शामिल कर दिया। अमेरिका व इस्त्राईल की नाराजगी के भय से पूरे युद्ध के दौरान आधिकारिक रूप से किसी भी देश ने ईरान की सहायता नहीं की न ही ईरान ने खाने-पीने की चीजों व दवाईयों तक के लिये कोई अपील जारी की। युद्ध शुरू होते ही रोटी, पेट्रोल और डीजल ईरानियों के लिये निःशुल्क कर दिए गए ताकि उन्हें युद्ध के बोझ का एहसास न हो। अमेरिकी व इस्त्राईली भीषण बमबारी के बावजूद, एक भी ईरानी नागरिक ने पलायन नहीं किया हाँ विदेशों में रहने वाले हजारों ईरानी अपने देश की रक्षा की गरज से स्वदेश वापस जरूर लौटे। युद्ध के दौरान, कई प्रमुख मंत्री अमेरिका विरोधी प्रदर्शनों में प्रदर्शनकारियों के साथ निडर होकर सारी सारी रात सड़कों पर नजर आये। हद तो यह है कि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकीयान स्वयं बाजारों में जाकर वस्तुओं के मूल्य व जनसुविधाओं का जायजा लेते नजर आये ।

सवाल यह है कि ईरान के लोगों व वहाँ के नेतृत्व में इतना दृढ़ विश्वास आया कहाँ से ? तो आइये नजर डालते हैं कुछ उन छोटी छोटी सामान्य बातों पर जिसे भले ही दुनिया के अधिकांश देशों के लोग व वहाँ का नेतृत्व सम्मान या सम्पन्नता की नजरों से क्यों नदेखते हों परन्तु ईरान के लोगों ने इनसे दूर रहना ही राष्ट्रहित में समझा। मिसाल के तौर पर ईरान के सुप्रीम लीडर ने अपना निजी मकान तक नहीं खरीदा। ईरान के मंत्रियों और शीर्ष सैन्य अधिकारीयों व अन्य आला अफसरों के बच्चे विदेश में पढ़ाई करने नहीं जाते। ईरानी सरकार का कोई भी सदस्य और प्रशासनिक अधिकारी विदेशी बैंकों में पैसे जमा नहीं कर सकते। ईरान का कोई भी मंत्री,जनरल या उच्चाधिकारी देश के बाहर कोई दूसरा मकान नहीं बनाता। ईरान के सुप्रीम लीडर बिना दिखावे व प्रचार के रोजाना 18 घंटे काम करते हैं। वहां कोई भी अमेरिकन या यूरोपीय शिक्षण संस्थान नहीं हैं। ईरान में साक्षरता दर 97 प्रतिशत है क्योंकि शिक्षा मुफ़्त है। इसीलिये वहां के अधिकांश लोग डॉक्टर इंजीनियर,प्रोफेसर आदि हैं जिसका साक्षात नतीजा ईरान ने पिछले युद्ध के दौरान अपनी ड्रोन व मिसाईल क्षमता को साबित कर दुनिया को दिखा भी दिया।

तमाम प्रतिबंधों के बावजूद वहां जनता की जेब काटने जैसी कोई टैक्स व्यवस्था नहीं है। यदि परिस्थितिवश वहां मूलयवृद्धि होती भी है तो दूसरी तरफ सुप्रीम लीडर के बजट से लोगों को साथ साथ उतनी ही राहत भी दी जाती है। वहां महिलायें कम्युनिटी प्रोग्राम में हिस्सा लेती हैं। प्रसव निःशुल्क हैं, साथ ही बच्चे के जन्म पर मां के खाते में कम से कम 20,000 रू का उपहार भी भेजा जाता है। प्रत्येक इलाज का 70% सरकार देती है, जबकि 30% मरीज देता है। चोरी, डकैती,बेईमानी,बलात्कार जैसे अपराध बिल्कुल नहीं है। चंदा या दान चोरी की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। वहां रॉयल कल्चर या प्रोटोकॉल जैसी कोई चीज नहीं है। ईरान भिखारी रहित देश है। वहां के नियमानुसार पुलिस सूर्यास्त से सूर्योदय तक किसी अपराधी के घर में नहीं घुस सकती क्योंकि वह समय उसकी पत्नी और बच्चों का होता है। वहाँ की जेलें खाली हैं, और अगर कोई अपराधी जेल जाता भी है, तो उसे जेल में काम दिया जाता है, जिसकी तंख़्वाह/मजदूरी उसके घर भेजी जाती है ताकि उसके परिवार के लोग पैसों के अभाव में किसी अपराध में शामिल न हों।

ईरान में धर्म जाति जैसी कोई विसंगति नहीं है इसलिये कभी साम्प्रदायिक व जातीय दंगे नहीं होते। छुआछूत जादू टोना जैसी कोई प्रथा नहीं है। यहां विभिन्न धर्मों के मानने वाले व उनके अनेक पूजा स्थल हैं, धर्म के मामलों में सभी को पूरी आजादी है। यहां अध्यापकों को सर्वाधिक सम्मान दिया जाता है। घरेलू नौकर रखने का यहाँ चलन नहीं है। अपने सभी घरेलू काम स्वयं करने पड़ते हैं। इतने अंततर्राष्ट्रीय दबाव के बावजूद यहाँ के लोगों के चेहरों पर हंसी मुस्कान व संतोष नजर आता है। कोई भी व्यक्ति चिढ़ा कुढ़ा या गुस्से में नजर नहीं आता। ईरानियों के इसी स्वभाव हौसले,जज्बे,कुबार्नी व उनके ईमान की वजह से ही दुनिया के तमाम देश जहाँ अमेरिका व इस्त्राईल से नफरत करने लगे हैं बल्कि वे ईरान से प्यार भी कर रहे हैं व उनका साथ भी दे रहे हैं।

वर्दी का भय या कानून का विश्वास ?

विनोद कुमार सिंह
तकियावाला

लोकतंत्र की सफलता केवल चुनावों, सरकारों और संवैधानिक संस्थाओं से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी आंकी जाती है कि आम नागरिक स्वयं को कितना सुरक्षित, सम्मानित और स्वतंत्र महसूस करता है। जब कोई नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता या पत्रकार अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए भयमुक्त होकर प्रश्न पूछ सकता है, तभी लोकतंत्र वास्तव में जीवंत माना जाता है। लेकिन जब कानून की रक्षा करने वाली संस्थाओं पर ही भय पैदा करने के आरोप लगने लगें, तब लोकतंत्र के सामने गंभीर प्रश्न खड़े हो जाते हैं।

गोड्डा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लालपुर गाँव में 25 जून 2026 को सामने आई एक कथित घटना ने ऐसे ही अनेक सवालों को जन्म दिया है। आरोप है कि सादे वेश में कुछ पुलिसकर्मी बिना नंबर प्लेट वाले वाहन से गाँव पहुँचे और स्थानीय लोगों से पूछताछ के दौरान पुलिसिया रौब दिखाया। आरोप यह भी है कि एक मान्यता प्राप्त पत्रकार द्वारा अपना परिचय पत्र दिखाने के बाद भी कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया। यद्यपि इन आरोपों की निष्पक्ष जाँच और पुलिस प्रशासन का पक्ष सामने आना अभी शेष है, फिर भी यह घटनाक्रम लोकतंत्र, पत्रकारिता और पुलिस जवाबदेही पर व्यापक चर्चा की माँग करता है।सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या पत्रकार भीड़ का हिस्सा है? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से नहीं है। पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। वह न सत्ता का प्रतिनिधि होता है और न ही विपक्ष का। उसका दायित्व जनता और शासन के बीच सूचना का सेतु बनना है। संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) के अंतर्गत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जो अधिकार नागरिकों को प्राप्त है, पत्रकार उसी अधिकार का सामाजिक विस्तार है।

उल्लेखनीय है कि इस प्रकरण से जुड़े पत्रकार पिछले लगभग तीन दशकों से देश की राजधानी दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों में सक्रिय पत्रकारिता कर रहे हैं। वे अनेक राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पत्रकार संगठनों, प्रेस एसोसिएशनों तथा पत्रकार मंचों से जुड़े रहे हैं और जनसरोकार, प्रशासनिक जवाबदेही, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा ग्रामीण भारत से जुड़े विषयों पर लगातार लेखन करते रहे हैं। ऐसे में यदि किसी वरिष्ठ और मान्यता प्राप्त पत्रकार के साथ भी कथित रूप से अभद्र व्यवहार या धमकी जैसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो यह प्रश्न केवल एक व्यक्ति की गरिमा का नहीं रह जाता, बल्कि पत्रकारों की कार्य-स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा से भी जुड़ जाता है।भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक अवसरों पर कहा है कि प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है।

यदि पत्रकार भयमुक्त नहीं रहेगा, तो जनता तक सत्य और सूचना का प्रवाह भी बाधित होगा। इसलिए किसी पत्रकार के साथ कथित दुर्व्यवहार केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक स्वतंत्रता से जुड़ा विषय बन जाता है।दूसरी ओर यह भी उतना ही सत्य है कि पुलिस व्यवस्था किसी भी राज्य की रीढ़ होती है। झारखंड जैसे राज्य में पुलिस की भूमिका और भी चुनौतीपूर्ण है। राज्य लंबे समय तक नक्सलवाद, संगठित अपराध, अवैध खनन, साइबर अपराध तथा सामाजिक तनावों जैसी समस्याओं से जूझता रहा है। हाल के वर्षों में झारखंड पुलिस ने अपराध नियंत्रण और उग्रवाद विरोधी अभियानों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। अपराधियों की गिरफ्तारी, अवैध हथियारों की बरामदगी और साइबर अपराध के विरुद्ध कार्रवाई पुलिस की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ रही हैं।

गोड्डा जिला भी इससे अछूता नहीं है। जिले में समय-समय पर अवैध हथियारों, आपराधिक गिरोहों, भूमि विवादों तथा संगठित अपराधों के विरुद्ध अभियान चलाए जाते रहे हैं। ऐसे में पुलिस को कई बार त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई करनी पड़ती है। लेकिन लोकतंत्र में किसी भी कार्रवाई की वैधता केवल उसके उद्देश्य से नहीं, बल्कि उसकी प्रक्रिया से भी तय होती है।

यही वह बिंदु है जहाँ नागरिक अधिकारों और पुलिस शक्तियों के बीच संतुलन आवश्यक हो जाता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार देता है। इसका अर्थ यह है कि किसी भी व्यक्ति के साथ अपमानजनक व्यवहार नहीं किया जा सकता। यदि पुलिस पूछताछ करती है तो नागरिक को यह जानने का अधिकार है कि उससे पूछताछ करने वाला व्यक्ति कौन है और किस अधिकार के तहत कार्रवाई कर रहा है।सवाल यह भी है कि यदि पुलिस सादे वेश में कार्रवाई कर रही हो तो उसकी पहचान सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है? आज के दौर में जब अपराधी भी स्वयं को पुलिस बताकर लोगों को ठगने लगे हैं, तब आम नागरिक के मन में संदेह होना स्वाभाविक है। इसलिए पारदर्शिता केवल नागरिक का अधिकार नहीं, बल्कि पुलिस प्रशासन की भी आवश्यकता है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आँकड़े बताते हैं कि झारखंड के सामने अपराध नियंत्रण की चुनौती अभी भी बनी हुई है।

हत्या, साइबर अपराध, महिलाओं के विरुद्ध अपराध और आर्थिक अपराध जैसी समस्याएँ राज्य के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसी परिस्थितियों में पुलिस को अधिक अधिकार और संसाधन मिलना चाहिए, लेकिन उतनी ही मजबूती से जवाबदेही की व्यवस्था भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

आगामी आषाढ़ी मेला के दृष्टिगत कप्तान ने मेला क्षेत्र का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। आगामी आषाढ़ी मेला के सकुशल एवं शांतिपूर्ण आयोजन के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा थाना कड़ाधाम क्षेत्रान्तर्गत प्रस्तावित मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था संबंधी तैयारियों का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा मेला परिसर, प्रमुख मार्गों, प्रवेश एवं निकास स्थलों, पार्किंग व्यवस्था, बैरिकेडिंग, भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ मेला क्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न ड्यूटी प्वाइंटों का चिन्हांकन करते हुए आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती एवं सुरक्षा प्रबंधों के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

एसपी ने निर्देशित किया कि मेला अवधि के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। प्रत्येक ड्यूटी प्वाइंट पर नियुक्त पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

साथ ही, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, महिला सुरक्षा, आपातकालीन सहायता एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाएं।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अमिता सिंह क्षेत्राधिकारी सिराथू सहित संबंधित थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

चोरी के मामले में कीडगंज पुलिस ने युवक को पकड़ा

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। चोरी के मामले में कीडगंज थाने की पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक सफेद धातु का सिक्का, डेबिट कार्ड (बड़ौदा यू0पी0 बैंक), आधार कार्ड, पैनकार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, आयुष्मान कार्ड व 654 रुपए नकद बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त दीपक कुमार निवासी एल 109 चकिया धरहरा सहसों थाना सरायइनायत जनपद प्रयागराज को परेड ग्राउण्ड बैरहना के पास से गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। आरोपी को जेल भेज दिया गया।

शुरू होगा अभिलेखों का सत्यापन

प्रयागराज।

प्रदेश की योगी सरकार की मंशानुरूप प्रदेश में शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) विज्ञापन संख्या-01/2022 के अंतर्गत 03 एवं 04 जून 2026 को आयोजित लिखित परीक्षा का परिणाम आयोग द्वारा घोषित कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की विषयवार एवं श्रेणीवार शॉर्टलिस्ट आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। पात्रता एवं अभिलेख परीक्षण के लिए अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा में उपलब्ध रिक्तियों के सापेक्ष 1.5 गुना के अनुपात में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि

आयोग का उद्देश्य पूरी चयन प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करना है, ताकि प्रदेश के सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों को योग्य एवं प्रशिक्षित शिक्षक शीघ्र उपलब्ध कराए जा सकें। अभिलेख परीक्षण उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, 23 एलनगंज, प्रयागराज स्थित कार्यालय में विषयवार निर्धारित तिथियों पर आयोजित किया जाएगा। संस्कृत विषय का अभिलेख परीक्षण 09 जुलाई, गणित का 10 जुलाई, शारीरिक शिक्षा, संगीत, कृषि, उर्दू, गृह विज्ञान एवं वाणिज्य का 13 जुलाई, हिन्दी का 14 जुलाई, जीव विज्ञान एवं विज्ञान का 15 जुलाई, अंग्रेजी का 16 जुलाई तथा सामाजिक विज्ञान एवं कला का 17 जुलाई को आयोजित होगा।

आयोग अध्यक्ष ने बताया कि शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवश्यक शैक्षिक, आरक्षण एवं अन्य अभिलेख अपलोड करने संबंधी विस्तृत दिशा निर्देश तथा लिंक आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर पृथक रूप से उपलब्ध कराए जाएंगे। अभ्यर्थी 01 जुलाई से अपना कॉल लेटर डाउनलोड कर सकेंगे।

जीआरपी कानपुर सेंट्रल ने 50 लाख से अधिक के मादक पदार्थ का कराया विनष्टीकरण

कानपुर।

ऑपरेशन दहन के तहत जीआरपी कानपुर सेंट्रल ने न्यायालय के आदेश पर एनडीपीएस एक्ट के चार मामलों में जब्त 63 किलो 315 ग्राम मादक पदार्थ का मंगलवार को नियमानुसार विनष्टीकरण (निस्तारण) कराया। नष्ट किए गए मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत 50 लाख रुपये से अधिक बताई गई है।

जीआरपी कानपुर सेंट्रल के प्रभारी निरीक्षक ओम

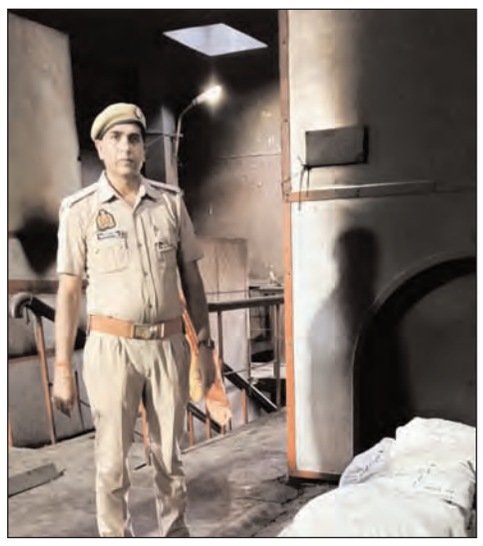

नारायण सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (जब्ती, भंडारण, नमूनाकरण और निपटान) नियम-2022 के तहत की गई।

एक मार्च से 30 जून 2026 के बीच दर्ज चार मामलों में जब्त मादक पदार्थ से संबंधित प्रकरणों में कोई अपील, विचारण या रिवीजन लंबित न होने पर विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) के आदेश के अनुपालन में निस्तारण कराया गया।

विनष्टीकरण की कार्रवाई गठित समिति की मौजूदगी में भैरो घाट स्थित विद्युत शवदाह गृह में कराई गई। इस दौरान अपर पुलिस उपायुक्त मुख्यालय स्नेहा तिवारी, डिपोजल कमेटी के सदस्य उपनिरीक्षक सुधीर कुमार, उपनिरीक्षक मुकुंद लाल यादव, मुख्य आरक्षी शिव प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसपी ने साइबर हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा साइबर सेल कार्यालय में साइबर अपराधों की रोकथाम, लंबित प्रकरणों की समीक्षा एवं प्रभावी निस्तारण हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में साइबर अपराधों से संबंधित शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान एसपी द्वारा साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी एवं सोशल मीडिया से संबंधित अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु टीम को सतर्कता एवं सक्रियता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। साथ ही साइबर हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के शीघ्र निस्तारण तथा पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी थरियांव रवि प्रकाश सिंह सहित साइबर सेल के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग जागरूकता रैली को खंड शिक्षा अधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज/प्रयागराज। प्राथमिक विद्यालय गरियावां, विकासखंड श्रृंगवेरपुर धाम में स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कनौजिया ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने हाथों में जागरूकता संबंधी तख्तियां एवं बैनर लेकर गांव की प्रमुख गलियों का भ्रमण किया। बच्चों ने शिक्षा के महत्व, प्रत्येक बच्चे के विद्यालय में नामांकन तथा संचारी रोगों से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक करने वाले नारे लगाए।

खंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कनौजिया ने अभिभावकों से सभी बच्चों का विद्यालय में शत-प्रतिशत नामांकन कराने तथा स्वच्छता अपनाकर संचारी रोगों से बचाव के उपायों का पालन करने की अपील की। विद्यालय परिवार ने रैली के माध्यम से ग्रामीणों को शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर विकासखंड के एआरपी कमल सिंह, वंदना कुमारी, विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापक श्रद्धा सिन्हा, फैमीना कय्यूम, विमला देवी यादव, रूबी, सरिता सुधाकर, नीरज सिंह, निर्मला, रामकली, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

मीरजापुर।

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में चुनार कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार देर रात डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद डीसीएम वाहन को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

जानकारी के अनुसार, दुर्घटना मंगलवार रात करीब 10 बजे कोतवाली क्षेत्र के समसपुर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-35 पर हुई।

औरैया में पुलिस-बदमाशों में मुठभेड़, दो शातिर चोर गोली लगने से घायल

औरैया।

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बिधूना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात थाना बिधूना क्षेत्र के डहरियापुर मोड़ पर पुलिस और शातिर चोरों के बीच हुई मुठभेड़ में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जबकि उनके चार अन्य साथियों को भी पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कुल छह अभियुक्तों को दबोचते हुए भारी मात्रा में चोरी का माल, नकदी, अवैध हथियार और वाहन बरामद किए हैं।

जानकारी के अनुसार थाना बिधूना पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली थी कि हाल ही में जिले में हुई चोरी की घटनाओं में शामिल कुछ शातिर चोर डहरियापुर मोड़ पर एकत्र हुए हैं। बदमाश चोरी के सामान और नकदी का आपस में बंटवारा करने की योजना बना रहे थे। सूचना को गंभीरता से लेते हुए कोतवाल बिधूना पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर दबिश दी।

बिधूना सीओ पी पुनीत मिश्रा ने बताया कि पुलिस को देखते ही बदमाशों में हड़कंप मच गया। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में मोमिन पुत्र सुलेमान निवासी इस्लाम नगर सौरिख जनपद कन्नौज तथा विकास उर्फ गौरव पुत्र रामबक्श निवासी हरीपुर किशनी जनपद मैनपुरी के पैर में गोली लग गई, जिससे दोनों घायल हो गए।

पुलिस ने मौके से घायल दोनों बदमाशों समेत भागने का प्रयास कर रहे चार अन्य अभियुक्तों को भी गिरफ्तार कर लिया। इस प्रकार पूरी कार्रवाई में कुल छह अभियुक्त पुलिस गिरफ्त में आए हैं। पुलिस के अनुसार घायल अभियुक्त मोमिन बेहद शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी और लूट के करीब 17 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं विकास उर्फ गौरव के खिलाफ भी लगभग 7 आपराधिक मामले पंजीकृत बताए जा रहे हैं।

गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से भारी मात्रा में नकदी, चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात, दो चार पहिया वाहन, एक बुलेट मोटरसाइकिल, दो अवैध तमंचे 315 बोर, जिंदा कारतूस तथा खोखा कारतूस बरामद किए गए हैं।

संभल में सरकारी जमीन पर बनी मिली महबूल्ला शाह की मजार, श्रीकल्कि सेना की शिकायत पर प्रशासन ने की पैमाइश

संभल।

जनपद संभल में सरकारी बंजर भूमि पर महबूल्ला शाह की मजार का अवैध निर्माण किया गया है। इसके साथ ही सरकारी धन से एक शौचालय भी बनाया गया है। श्रीकल्कि सेना (निष्कलंक दल) के राष्ट्रीय संयोजक सुभाष त्यागी की शिकायत पर तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह ने जांच के लिए एक टीम गठित की।

मामला संभल तहसील के थाना रायसत्ती क्षेत्र के नगला गांव का है। जहां मंगलवार शाम 5:30 बजे राजस्व प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और नक्शे व फीते की मदद से भूमि की पैमाइश की। यह कार्रवाई शाम 6:50 बजे तक चली।

तहसीलदार संभल धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने असमोली के नायब तहसीलदार दीपक जुरैल को टीम का प्रभारी नियुक्त किया। टीम में राजस्व निरीक्षक अमीचंद्र, क्षेत्रीय लेखपाल रोहित कुमार, लेखपाल सुरेंद्र सिंह, पीयूष शर्मा, अमित कुमार-1, अमित कुमार-2, अर्पित बांगा और अनुराग शर्मा सदस्य के रूप में शामिल थे।

पैमाइश के बाद प्रथम दृष्टया शिकायत सही पाई गई है। इस भूमि का क्षेत्रफल लगभग दो बीघा चिन्हित किया गया है। मामले की रिपोर्ट तहसील प्रशासन को सौंपी जाएगी।

लेखपाल रोहित कुमार ने जानकारी दी कि गाटा संख्या 68/3 की 0.117 हेक्टेयर बंजर भूमि की पैमाइश की गई है। इस पर महबूल्ला शाह की मजार और सरकारी धन से निर्मित एक शौचालय पाया गया।

शादी को लेकर हुए विवाद में दो सगे भाइयों ने खाया जहर, छोटे की मौत व बड़े की हालत गंभीर

देवरिया।

उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में बरहज कस्बे के पुराना मोहल्ला में शादी को लेकर परिवार में शुरू हुआ पारिवारिक विवाद एक दर्दनाक हादसे में बदल गया। दो सगे भाइयों ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसमें छोटे भाई की मौत हो गई, जबकि बड़े भाई का इलाज गोरखपुर में चल रहा है। घटना से पूरे परिवार और मोहल्ले में शोक का माहौल है।मंगलवार को पुलिस ने विधिक कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

क्षेत्राधिकार राजेश चतुर्वेदीने बताया कि बरहज थाना क्षेत्र के पुरानी बरहज मोहल्ला की रहने वाले राजकुमार गिरी सरयू घाट स्थित मंदिर में पुरोहित हैं। परिवार में पांच बेटे हैं। तीसरे नंबर के बेटे विष्णु गोस्वामी (25) और चौथे बेटे महेश गोस्वामी की शादी तय करने को लेकर परिवार में बातचीत चल रही थी। परिजनों के अनुसार, सबसे छोटे बेटे केशव गोस्वामी (21) को इस बात पर आपत्ति थी और इसी मुद्दे को लेकर घर में कहासुनी हो गई।

विधानसभा घेरने जा रहे ग्राम रोजगार सेवकों को पुलिस पकड़कर ले गई इको गार्डन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। अपनी मांगों को लेकर विधानसभा का घेराव करने जा रहे ग्राम रोजगार सेवकों की तगड़ी घेराबंदी करके इको गार्डेन ले गई और वहां घंटों रोके रखा।

बता दें कि पुलिस विगत 4 अक्टूबर 2021 को डिफेंस एक्सपो गार्डन मे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा ग्राम रोजगार सेवकों के सम्मेलन मे गई घोषणा मे एचआर पालिसी लागू न होने ईपीएफ कटौती होने के बाद भी यूएएन एकाउंट मे न जमा होने और मानदेय वृद्धि की मांग व राज्य कर्मचारी का दर्जा दिए जाने चिकित्सा बीमा की नयी मांगों के संदर्भ मे उत्तर प्रदेश के ग्राम रोजगार सेवकों ने

विधानसभा का घेराव करने की कोशिश की। इस दौरान हजारों की संख्या मे ग्राम रोजगार सेवकों भारी भीड़ देखते हुए प्रशासन द्वारा ग्राम रोजगार सेवकों को गाड़ियों मे भरकर ईको गार्डन मे ले जाया गया, जहां घेराव का कार्यक्रम धरना-प्रदर्शन मे तब्दील हो गया। बढ़ती भीड़ को देखकर दोपहर 12 बजे संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल को प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास व आयुक्त ग्राम्य विकास सहित उच्चाधिकारियों से वार्ता के लिए बुलाया गया। गौरतलब है कि विधानसभा घेराव के लिए कौड़िहार व श्रृंगवेरपुधाम ब्लाक के ग्राम रोजगार सेवक जिला महामंत्री सुनील कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व मे लखनऊ के लिए रवाना हुए अन्य ग्राम रोजगार सेवकों मे ब्लाक अध्यक्ष कौड़िहार सुनील सिंह, महामंत्री सत्यम गुप्ता, राकेश पटेल, अवधेश सरोज, सुशील कुमार, उमेश गुप्ता अशोक मिश्र, ओमप्रकाश पाल, श्रृंगवेरपुधाम ब्लाक अध्यक्ष कृष्ण कुमार, महामंत्री विद्याधर पाण्डेय, भूपेंद्र सिंह, हरिकेश यादव, राजेश कुमार, अजीत सरोज सहित कई रोजगार सेवक लखनऊ रवाना हुए थे।

एचडीएफसी बैंक ने आयुक्त राजीव कुमार को बनाया नया पार्ट-टाइम चेयरमैन

अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद हुआ बड़ा फेरबदल, RBI की अंतिम मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली ।

श के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी में एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल की घोषणा की गई है, जहां पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त और पूर्व वित्त सचिव राजीव कुमार बैंक के नए पार्ट-टाइम चेयरमैन का पद संभालेंगे। इस हाई-प्रोफाइल नियुक्ति ने बैंकिंग और कॉर्पोरेट जगत को चौंका दिया है, खासकर पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस साल मार्च में नैतिक चिंताओं के कारण अचानक इस्तीफे के बाद। बैंक के बोर्ड ने सोमवार को राजीव कुमार को 30 जून से आगामी चार साल के लिए एडिशनल इंडिपेंडेंट डायरेक्टर और पार्ट-टाइम चेयरमैन के रूप में मंजूरी दी है। बैंक ने रेगुलेटरी फाइलिंग में स्पष्ट किया है कि उन पर कोई कानूनी रोक नहीं है, हालांकि अब पूरी इंडस्ट्री की नजरें रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की अंतिम मंजूरी पर टिकी हैं। राजीव कुमार का वित्तीय और प्रशासनिक करियर बेहद कड़क रहा है। उन्होंने बतौर मुख्य चुनाव आयुक्त दुनिया का सबसे बड़ा आम चुनाव संपन्न कराया है। केंद्रीय वित्तीय सेवा विभाग के सचिव के रूप में (2017-2020), उन्होंने सरकारी बैंकों को एनपीए संकट, पूंजी की कमी और नोटबंदी के बाद की चुनौतियों से उबारा। उनके कार्यकाल में फर्जी कंपनियों के खाते फ्रीज किए गए और फोर-आर रणनीति से बैंकिंग सिस्टम मजबूत किया, जिसमें बैंकों का ऐतिहासिक विलय भी शामिल था।

कच्चा तेल 70 डॉलर से नीचे, फिर भी पेट्रोल-डीजल में राहत की उम्मीद कम

तेल कंपनियां और सरकार कर रहीं पुराना घाटा पूरा

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है, जिससे भारत के लिए औसत आयात मूल्य पश्चिम एशिया में तनाव शुरू होने के बाद पहली बार 70 डालर प्रति बैरल से नीचे आ गया है। हालांकि, इस राहत का सीधा फायदा भारतीय उपभोक्ताओं को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी के रूप में मिलने की संभावना न के बराबर है। इसके पीछे सरकारी तेल कंपनियों और सरकार का एक बड़ा गणित काम कर रहा है। जब वैश्विक तेल की कीमतें आसमान छू रही थीं, तब भारत में ईंधन के दाम स्थिर रखे गए, जिससे सरकारी तेल विपणन कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। अब क्रूड सस्ता होने पर कंपनियां पहले उस पुराने नुकसान की भरपाई कर रही हैं। वे पेट्रोल पर करीब 5-6 रुपये प्रति लीटर मुनाफा कमा रही हैं, पर डीजल पर उन्हें अभी भी 8-10 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है, जिसे पेट्रोल के लाभ से पाटा जा रहा है। पेट्रोल-डीजल सस्ता न होने का दूसरा बड़ा कारण सरकार है। संकट के दौरान आम जनता को राहत देने के लिए केंद्र ने मार्च में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10-10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। इस कटौती से सरकार को हर महीने लगभग 14,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो रहा है, जो कुल 1.23 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। सरकार भी अब इस बड़े वित्तीय बोझ को पूरा करने के मूड में है।

1 जुलाई से बदलेंगे नियम और बढ़ेंगे खर्चे

आयकर एलपीजी सब्सिडी, पासपोर्ट और रेल यात्रा से जुड़े कई नियमों में होंगे बदलाव

नई दिल्ली।

30 जून कई वित्तीय और सरकारी कामों को निपटाने का आखिरी दिन है। यदि आपने अभी तक इनकम टैक्स, एलपीजी-ईकेवायसी, पासपोर्ट आवेदन जैसे जरूरी काम पूरे नहीं किए हैं, तो तुरंत कर लें। दरअसल, 1 जुलाई से कुछ नए नियम लागू होने जा रहे हैं, जिनके कारण आपको आर्थिक नुकसान या बढ़ी हुई फीस का सामना करना पड़ सकता है। इनकम टैक्स से जुड़ा काम- यदि आपने असेसमेंट ईयर 2025-26 के लिए अपना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किया है, तो 30 जून तक आयकर विभाग कुछ मामलों में जांच के लिए नोटिस जारी कर सकता है। रिकॉर्ड में अंतर होने पर यह नोटिस मिल सकता है, जिसका समय पर जवाब देना महत्वपूर्ण है। इंडेन, भारत गैस या एचपी गैस के ग्राहकों को 30 जून तक ईकेवायसी कराना अनिवार्य है ताकि सब्सिडी जारी रहे। इसे न करने पर आपकी सब्सिडी रुक सकती है। 1 जुलाई से नए पासपोर्ट या नवीनीकरण की फीस बढ़ जाएगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 249, निफ्टी 80 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 249.70 अंक टूटकर 76,478.67 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 80.50 अंक नीचे आकर 23,865.75 पर बंद हुआ। था। एक ओर जहां मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखने को मिली, वहीं लार्जकैप में बिकवाली हावी रही। । निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 230.40 अंक की तेजी के साथ 61,797.70 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 100 इंडेक्स 190 अंक बढ़कर 18,863.10 पर था। निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी रियल्टी में सबसे अधिक तेजी रही। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स,निफ्टी फार्मा, निफ्टी मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी ऑटो,

निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयरों में तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज के शेयर गिरे। सेंसेक्स पैक में टाइटन, बजाज फाइनेंस, इटरनल, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, इंडिगो, ट्रेंट और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे। वहीं टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, आईटीसी, एचयूएल, एसबीआई, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, के शेयर गिरे।

वैश्विक संकेतों के दम पर बाजार में हल्की बढ़त

सेंसेक्स ऊपरी स्तर से फिसला निफ्टी 23,900 के करीब

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच, भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने मंगलवार को मामूली बढ़त दर्ज की। इस दौरान निवेशकों ने कुछ सतर्कता बरती, लेकिन सकारात्मक धारणा बनी रही। मंगलवार को निफ्टी 50 3.90 अंक बढ़कर 23,950.15 पर और सेंसेक्स 66.71 अंक चढ़कर 76,795.08 पर बंद हुआ। व्यापक बाजार भी मजबूती के साथ कारोबार करता दिखा, जिसमें निफ्टी मिडकैप 0.23 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 0.48 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। यह दर्शाता है कि वैश्विक सकारात्मकता ने स्थानीय बाजार को सहारा दिया। हालांकि, एक्सिस डायरेक्ट के हेड ऑफ रिसर्च राजेश पालविया ने पिछले सत्र के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि निफ्टी 50 में मुनाफावसूली देखी गई थी, जिससे यह 110 अंक गिरकर 23,946 पर बंद हुआ और 24,000 के अहम स्तर से नीचे फिसल गया। उन्होंने बताया कि दिन के शुरुआती लाभ बिकवाली के कारण खत्म हो गए, जिसका मुख्य कारण रुपये में कमजोरी और अमेरिका के प्रमुख श्रम बाजार आंकड़ों से पहले निवेशकों की सतर्कता थी।

ईपीएफओ की ऑनलाइन सेवाएं 1 जुलाई से शुरू

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के लाखों सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना है। संगठन ने डेटाबेस एकीकरण और सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन के चलते अपनी कुछ ऑनलाइन सेवाओं को अस्थाई रूप से बंद कर दिया है। यह व्यवधान 26 जून से शुरू हुआ है और उम्मीद है कि सभी सेवाएं 1 जुलाई से दोबारा शुरू हो जाएंगी। ईपीएफओ ने अपने सदस्यों को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर संदेश भेजकर सूचित किया है कि इस प्रक्रिया के कारण 26 जून से क्लेम सब्मिट करने, पासबुक डाउनलोड करने और नए कर्मचारियों के लिए यूएएन जनरेट करने जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। इस दौरान ई-पासबुक भी एक्सेस नहीं की जा सकेगी। संगठन ने असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए बताया कि ये सभी सेवाएं 1 जुलाई से फिर से बहाल हो जाएंगी। ईपीएफओ का मानना है कि अपग्रेडेशन पूरा होने के बाद क्लेम प्रोसेसिंग पहले से अधिक तेज और सुगम होगी, जिससे सदस्यों को बेहतर ऑनलाइन अनुभव मिलेगा और दावों के निपटारे में लगने वाला समय कम होगा। इस दौरान सदस्यों और नियोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अपने पीएफ से जुड़े लेनदेन की योजना इस अस्थायी व्यवधान को ध्यान में रखकर बनाएं। किसी भी सहायता के लिए ईपीएफओ का हेल्पलाइन नंबर 14470 उपलब्ध रहेगा।

खाद्य महंगाई का खतरा, आलू, प्याज, टमाटर के दामों में फिर तेजी

गर्मी और आपूर्ति बाधित होने से बढ़े दाम, दिल्ली में टमाटर दोगुना महंगा

नई दिल्ली ।

देश के कई शहरों में आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखने को मिल रही है। इन प्रमुख सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है, जिससे आने वाले समय में खाने-पीने की चीजों की महंगाई यानी कि खाद्य मुद्रास्फीति (फूड इंफ्लेशन) बढ़ने का डर सताने लगा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक महीने में टमाटर की औसत खुदरा कीमत में 18 फीसदी, प्याज में 11 फीसदी और आलू में 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई है। यदि साल-दर-साल के आधार पर देखें तो टमाटर 25 फीसदी और प्याज 3.3 फीसदी महंगा हुआ है, जबकि आलू की कीमतों में 17 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

भीषण गर्मी और आपूर्ति श्रृंखला में कमी का सीधा असर सब्जियों की कीमतों पर दिख रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में टमाटर 50 फीसदी तक महंगे हो गए हैं, वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसकी कीमतें लगभग दोगुनी हो चुकी हैं। विभिन्न राज्यों में प्याज की कीमतों में भी 10-20 फीसदी का इजाफा देखा गया है। अल-नीनो प्रभाव और बारिश में देरी के कारण पड़ी भीषण गर्मी ने विशेष रूप से टमाटर जैसी नाजुक फसल को सबसे अधिक प्रभावित किया है। आजादपुर प्याज व्यापारी संघ के अनुसार, टमाटर की कम आवक के साथ-साथ गर्मी के कारण इसके परिवहन में भी परेशानी आ रही है। राजस्थान और हरियाणा से दिल्ली आने वाली टमाटर की आपूर्ति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

जानकारों का मानना है कि वर्तमान मौसम और मॉनसून की स्थिति को देखते हुए आने वाले दिनों में टमाटर और प्याज की कीमतों में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। इसका सीधा असर देश की समग्र महंगाई दर और विशेषकर खाद्य महंगाई पर पड़ने की संभावना है।

बीएटी में 9,000 नौकरियों की छंटनी सिगरेट से वेप की ओर शिफ्ट

तंबाकू दिग्गज का बड़ा पुनर्गठन; लागत घटाने और स्मोक-फ्री उत्पादों पर फोकस

नई दिल्ली ।

दुनिया की प्रमुख तंबाकू कंपनी ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (बीएटी) ने वैश्विक स्तर पर लगभग 9,000 कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। यह फैसला सिगरेट की घटती मांग और कंपनी के व्यापार मॉडल को पारंपरिक तंबाकू से हटाकर वेप, ई-सिगरेट और निकोटीन पाउच जैसे स्मोक-फ्री उत्पादों पर केंद्रित करने की रणनीति का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीएटी इस साल के अंत तक 5,500 कर्मचारियों को निकालेगी, जबकि करीब 3,500 पदों को आउटसोर्स किया जाएगा। यह कदम कंपनी के अमेरिका से बाहर के 47,000 कर्मचारियों में से लगभग 20 प्रतिशत को प्रभावित करेगा। इस पुनर्गठन का लक्ष्य 2028 तक सालाना करीब 600 मिलियन पाउंड (लगभग 6,800 करोड़ रुपये) की लागत बचाना है। कंपनी का मानना है कि 2026 तक रेगुलर सिगरेट की वैश्विक बिक्री में 2 प्रतिशत की गिरावट आएगी, इसलिए व्यूस और वेलो जैसे नए उत्पादों पर बड़ा निवेश किया जा रहा है, जिनसे भविष्य की आधी से

ज्यादा आय अर्जित करने का लक्ष्य है। छंटनी के साथ बीएटभ् कई फैक्टरियों को बंद कर रही है और प्रशासनिक कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) व ऑटोमेशन का उपयोग बढ़ा रही है। बीएटी के सीईओ टाडेउ मारोको ने इस कठिन निर्णय पर दुःख व्यक्त करते हुए प्रभावित कर्मचारियों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। एक्सपर्ट्स इसे तंबाकू उद्योग में एक बड़े बदलाव का संकेत मान रहे हैं, जहां स्वास्थ्य जागरूकता और नए विकल्प कंपनियों को अपने व्यापार मॉडल में बड़े फेरबदल करने पर मजबूर कर रहे हैं।

चीन की अर्थव्यवस्था को एआई हार्डवेयर का सहारा, जून में विनिर्माण बढ़ा

आधिकारिक पीएमआई मई के 50 से बढ़कर जून में 50.3 हुई

हांगकांग ।

कृत्रिम मेधा (एआई) हार्डवेयर की मजबूत निर्यात मांग के दम पर जून में चीन की विनिर्माण गतिविधियों में तेजी दर्ज की गई है। मंगलवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी एक आधिकारिक सर्वेक्षण के मुताबिक, देश का विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मई के 50 से बढ़कर जून में 50.3 पर पहुंच गया, जो गतिविधियों में विस्तार का संकेत है।

यह आंकड़ा अर्थशास्त्रियों के अनुमान से बेहतर रहा और धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था की चिंताओं के बीच राहत लेकर आया। सर्वेक्षण से पता चला कि नए ऑर्डर का उप-सूचकांक मई के 49.9 से बढ़कर जून में 51.2, और उत्पादन का उप-सूचकांक 51.2 से बढ़कर 51.4 हो गया।

राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के मुख्य सांख्यिकीविद हुओ लिहुई ने कहा कि जून के आंकड़े आर्थिक गतिविधियों में सुधार का रुख दर्शाते हैं। विश्लेषकों का मानना है कि एआई उत्पादों के बढ़ते निर्यात से चीन इस साल के 4.5 से 5 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि के लक्ष्य को हासिल कर सकता है।

दिल्ली कैबिनेट ने नई ईवी नीति को दी मंजूरी

प्रदूषण पर लगाम, इलेक्ट्रिक वाहनों को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में राजधानी के प्रदूषण पर लगाम कसने और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई ईवी नीति को मंजूरी दे दी गई है। यह नीति 1 जुलाई से दिल्ली में लागू होगी और 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी, जिसका लक्ष्य दिल्ली को एक स्वच्छ महानगर में बदलना है। इस नीति के तहत, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने वालों को 30,000 और तिपहिया वाहन खरीदने वालों को 50,000 रुपए की सब्सिडी मिलेगी। सभी ईवी पर रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी, जिसमें 30 लाख तक के चार पहिया वाहन शामिल हैं। पुरानी बीएस-आईवी गाड़ियों को स्क्रैप करने पर 10,000 से 1 लाख रुपए तक का प्रोत्साहन भी मिलेगा। सरकार ने भविष्य की गतिशीलता के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। अगले साल 1 जनवरी से केवल

इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा और 1 अप्रैल 2028 से सिर्फ इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का ही पंजीकरण होगा।

अगले चार सालों में 15,000 करोड़ का निवेश कर 30,000 चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने का लक्ष्य है। नीति अब उपराज्यपाल की अंतिम मंजूरी के लिए भेजी गई है, जिससे दिल्ली में ईवी को अपनाने और वायु गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है।

वित्त मंत्री को 9,400 करोड़ से अधिक का रिकॉर्ड डिविडेंड

वित्त वर्ष 2025-26 के रिकॉर्ड मुनाफे के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सरकारी खजाने में डाली जान

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की झोली में वित्त वर्ष 2025-26 के रिकॉर्ड मुनाफे से निकली एक बड़ी रकम डाली है। वित्तीय सेवा विभाग के उच्च अधिकारियों और प्रमुखों की मौजूदगी में, इन बैंकों ने कुल मिलाकर 9,400 करोड़ रुपये से अधिक का डिविडेंड सरकार को सौंपा है, जो उनके शानदार प्रदर्शन और सुधरती वित्तीय सेहत का प्रमाण है। इस बंपर भुगतान से न केवल सरकारी खजाने को बल मिला है, बल्कि यह भी साबित हो गया है कि सार्वजनिक बैंकों के अच्छे दिन अब पूरी तरह लौट आए हैं। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ी बाजी बैंक ऑफ बड़ौदा ने मारी है, जिसने अकेले ही सरकार को 2,811 करोड़ रुपए का भारी-भरकम डिविडेंड सौंपा। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. देबदत्त चंद ने वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया की मौजूदगी में यह चेक वित्त मंत्री को दिया। बैंक ऑफ बड़ौदा ने वित्त वर्ष 2025-26 में 20,021 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो पहली बार बीस हजार करोड़ के आंकड़े के पार गया है, जिसके फलस्वरूप यह ऐतिहासिक लाभांश संभव हुआ। अन्य प्रमुख बैंकों ने भी सरकारी खजाने को समृद्ध करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने 2,416 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक सरकार को सौंपा, जिसके प्रबंध निदेशक अशोक चंद्र ने इसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को प्रदान किया। इसके ठीक पीछे, केनरा बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने वित्त वर्ष 2025-26 के शानदार नतीजों के दम पर 2,397 करोड़ रुपए का चेक देकर सरकार की वित्तीय ताकत को और बढ़ाया। इस कतार में इंडियन बैंक ने भी अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई, जिसके प्रबंध निदेशक एवं सीईओ ने 1,815 करोड़ रुपए का बड़ा डिविडेंड चेक सीधे वित्त मंत्री को सौंपा। सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों द्वारा दिया गया यह बंपर डिविडेंड इस बात का सीधा प्रमाण है कि पिछले पूरे साल के दौरान इन्होंने न सिर्फ अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता (एसेट क्वालिटी) को सुधारा है, बल्कि अपनी बैलेंस शीट को भी पहले से कई गुना अधिक मजबूत किया है।

रिकॉर्ड मुनाफे से सरकारी बैंकों ने सरकार को दिए 9,400 करोड़

पिछले वित्त वर्ष के शानदार प्रदर्शन का परिणाम, अकेले बैंक ऑफ बड़ौदा ने दिए 2,811 करोड़

नई दिल्ली ।

देश के सरकारी बैंकों ने हाल ही में वित्त मंत्रालय के खजाने का रुख किया और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 9,400 करोड़ रुपए से अधिक का भारी-भरकम डिविडेंड सौंपा। यह राशि पिछले वित्त वर्ष के उनके रिकॉर्ड तोड़ मुनाफे का परिणाम है। इस अप्रत्याशित वित्तीय सहयोग से न केवल सरकार की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि यह भी साफ हो गया है कि सरकारी बैंकों के अच्छे दिन अब पूरी तरह लौट आए हैं। वित्तीय सेवा विभाग के उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों ने एक के बाद एक कर डिविडेंड के चेक वित्त मंत्री के हाथों में थमाए। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ी बाजी बैंक ऑफ बड़ौदा ने मारी, जिसने अकेले ही सरकार को 2,811 करोड़ रुपये का सबसे बड़ा हिस्सा दिया। बैंक ने हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में अपने इतिहास का सबसे अधिक 20,021 करोड़ रुपए का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पहली बार बीस हजार करोड़ के आंकड़े के पार गया है। इस कतार में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने भी 2,416 करोड़ का बड़ा डिविडेंड चेक सरकार के हवाले किया। इसके ठीक पीछे केनरा बैंक ने भी 2,397 करोड़ का भारी-भरकम चेक सौंपकर सरकार की वित्तीय ताकत को और बढ़ाया। इंडियन बैंक ने भी 1,815 करोड़ का बड़ा डिविडेंड चेक सीधे वित्त मंत्री को प्रदान किया।

सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों द्वारा दिया गया यह बंपर डिविडेंड इस बात का सीधा प्रमाण है कि पिछले पूरे साल के दौरान इन्होंने न सिर्फ अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता (एसेट क्वालिटी) को सुधारा है, बल्कि अपनी बैलेंस शीट को भी पहले से कई गुना अधिक मजबूत किया है, जिससे केंद्र सरकार को, जो इन बैंकों की सबसे बड़ी शेयरधारक है, यह बंपर रिटर्न मिला है।

भारतीय उद्योग में तेजी, मई में आईआईपी ग्रोथ 5.1 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत में, मई महीने में देश की औद्योगिक गतिविधियों ने ज़ोर पकड़ा है। फैक्ट्रियों का उत्पादन मापने वाला औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी)बढ़कर 5.1 फीसदी पर पहुंच गया है, जो अप्रैल के 4.9 फीसदी से अधिक है। इस वृद्धि का मुख्य श्रेय मजबूत मैन्युफैक्चरिंग और बिजली उत्पादन को जाता है, जो उद्योगों में निरंतर मजबूती को दर्शाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 5.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मोटर वाहन, कंप्यूटर और टेक्सटाइल जैसे उद्योगों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

वहीं, बिजली और गैस सप्लाई सेक्टर में 9.9 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी हुई, जिसमें रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन 18त्न बढ़ा। एंटीक ब्रोकिंग के मुताबिक, पूंजीगत वस्तुओं (कैपिटल गुड्स) का उत्पादन 12.9 फीसदी बढ़ा, जो कंपनियों के बढ़ते निवेश का स्पष्ट संकेत है। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं (कंज्यूमर ड्यूरेबल्स) में भी 7.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

हालांकि, कुछ चिंताएं भी बरकरार हैं। मई में माइनिंग सेक्टर का उत्पादन 1.6 फीसदी घट गया। इसके अतिरिक्त, कमजोर मानसून और अल नीनो की आशंका के चलते ग्रामीण मांग पर चिंताएं बनी हुई हैं।

नुवामा की रिपोर्ट के अनुसार आईआईपी की गणना पद्धति में भी बदलाव किया गया है, जिसमें अब थोक मूल्य सूचकांक की जगह आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स का उपयोग होगा।

कुल मिलाकर, मजबूत औद्योगिक गतिविधियों के साथ, निवेश में वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत करती है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में बड़ा उलटफेर, मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को किया बाहर

मैक्सिको (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मोरक्को ने रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद गोलकीपर यासीन बोनू की शानदार बचाव और इस्माइल सैबारी के निर्णायक गोल ने मोरक्को को यादगार जीत दिला दी।

पेनल्टी शूटआउट में मोरक्को ने मारी बाजी

मैक्सिको के एस्टाडियो बीबीवीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चार राउंड के बाद पेनल्टी शूटआउट का स्कोर 2-2 से बराबर था। ऐसे में मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनू ने नीदरलैंड के क्रिसेंसियो समरविले की पेनल्टी को शानदार अंदाज में रोक दिया। इसके बाद इस्माइल सैबारी ने दबाव में शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में पहुंचाया और मोरक्को को 3-2 से जीत दिला दी।

गाकपो ने दिलाई बढ़त, डियोप ने बराबरी कराई

मुकाबले में पहला गोल नीदरलैंड की ओर से कोडी गाकपो ने 72वें मिनट में किया। क्रिसेंसियो समरविले के शानदार पास पर गाकपो ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। गोल के बाद डच खिलाड़ी जश्न मनाने मैदान पर दौड़ पड़े और भावुक गाकपो को गले लगाया। हाल ही में गाकपो और उनकी साथी नोआ वैन डेर बिज ने अपने अजन्मे बच्चे को खो दिया था, जिसके कारण यह गोल उनके लिए बेहद भावनात्मक पल बन गया। हालांकि, मोरक्को ने हार नहीं मानी। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम (91वें मिनट) में चेम्सदीन तालबी के शानदार क्रॉस पर इस्सा डियोप ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

अतिरिक्त समय में नहीं निकला नतीजा

30 मिनट के अतिरिक्त समय में दोनों टीमों ने कई प्रयास किए, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। इसके बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। यह फीफा वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा मुकाबला रहा, जिसका नतीजा पेनल्टी शूटआउट से निकला। इससे पहले पराग्वे ने जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

टॉप-7 टीमों की टक्कर में मोरक्को भारी

यह मुकाबला विश्व रैंकिंग की दो शीर्ष टीमों के बीच था। मोरक्को फीफा रैंकिंग में छठे और नीदरलैंड सातवें स्थान पर है। इस जीत के साथ मोरक्को ने लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप के नॉकआउट चरण में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया और अंतिम-16 में जगह पक्की कर ली।

न्यूजीलैंड / इंग्लैंड : टॉम लैथम ने रचा इतिहास, इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतकर एलीट कप्तानों की लिस्ट में शामिल

स्पोर्ट्स डेस्क। टॉम लैथम की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे और अंतिम टेस्ट में 160 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। बेन स्टोक्स की टीम को 373 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन अंतिम दिन पूरी टीम 212 रन पर सिमट गई। जेमी स्मिथ ने 60 रन बनाए, लेकिन वह हार नहीं टाल सके।

इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने इतिहास रच दिया। टीम ने पहली बार किसी टेस्ट सीरीज का पहला मैच हारने के बाद वापसी करते हुए सीरीज जीती। साथ ही 1999 के बाद इंग्लैंड में तीन या उससे अधिक मैचों की टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा भी किया।

टॉम लैथम एलीट कप्तानों की सूची में शामिल

इस ऐतिहासिक जीत के साथ टॉम लैथम ने कप्तानी में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसे सिर्फ छठे कप्तान बने हैं, जिन्होंने भारत और इंग्लैंड दोनों देशों में जाकर टेस्ट सीरीज जीती है। इतना ही नहीं, 21वीं सदी में लैथम पहले विदेशी कप्तान हैं जिन्होंने यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है। इस प्रदर्शन ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के सबसे सफल विदेशी कप्तानों में शामिल कर दिया है।

भारत के बाद इंग्लैंड में भी बजा जीत का डंका

इंग्लैंड में मिली यह जीत लैथम की 2024 में भारत में मिली ऐतिहासिक सफलता के बाद आई है। तब न्यूजीलैंड ने भारतीय सरजमीं पर भारत को 3-0 से क्लीन स्वीप कर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब किसी विदेशी टीम ने भारत को उसके घर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया था। अब इंग्लैंड में सीरीज जीतकर लैथम ने लगातार दुनिया की दो सबसे कठिन विदेशी चुनौतियों को जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

'बैजबॉल' नहीं, पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट से मिली सफलता

सीरीज जीतने के बाद टॉम लैथम ने कहा कि यह न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने टीम की मेहनत की तारीफ करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे दौरे में अनुशासन और धैर्य के साथ प्रदर्शन किया। लैथम ने इंग्लैंड की आक्रामक 'बैजबॉल' रणनीति पर भी अप्रत्यक्ष टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी टीम ने पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट खेलकर सफलता हासिल की और यही जीत की सबसे बड़ी वजह रही।

बेन स्टोक्स को बताया 'पीढ़ी में एक बार आने वाला खिलाड़ी'

मैच के बाद टॉम लैथम ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले बेन स्टोक्स को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि स्टोक्स ने टेस्ट क्रिकेट को नई दिशा दी और उनके खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा। लैथम ने कहा, 'बेन स्टोक्स पीढ़ी में एक बार आने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले 15 वर्षों में इंग्लैंड क्रिकेट के लिए जो योगदान दिया है, वह हमेशा याद रखा जाएगा। हम उनके शानदार करियर के लिए उन्हें बधाई देते हैं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।'

फीफा विश्वकप : पैराग्वे ने पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी को 4-3 से हराकर किया हैरान

बोस्टन (एजेंसी)। पैराग्वे ने फीफा विश्वककप फुटबॉल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। ये मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहने के बाद मुकाबल पेनाल्टी शूटआउट में चला गया जहां पैराग्वे ने बाजी मार ली।

पैराग्वे की ओर से मैच के 42वें मिनट में जूलियो एन्सिसो ने हेडर के जरिए गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। इसके बी जर्मनी ने पलटवार करते हुए दूसरे हाफ के 52वें मिनट में काई हावर्ट्ज़ के गोल से मुकाबला 1- से बराबरी पर ला दिया।

वहीं अतिरिक्त समय में जर्मनी ने जोनाथन टाह के हेडर से गोल कर 2-1 की बढ़त बना ली थी पर वीडियो असिस्टेंट रेफरी की समीक्षा में फाउल होने के कारण ये गोल अमान्य कर दिय गया। जिससे मुकाबला फिर बराबरी पर पहुंच गया। ऐसे में पेनल्टी शूटआउट का अवसर दिया गया। जिसमें पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने दो गोल रोक दिये। वहीं जोस कैनाले ने सडन डेथ में पेनल्टी को गोल में बदलकर पैराग्वे को 4-3 से शानदार जीत दिलाई। इससे पहले विश्वकप में दोनो टीमों के बीच साल 2002 में मुकाबला हुआ था। तब जर्मनी ने पैराग्वे को 1-0 से हराया था। अब करीब 24 साल बाद पैराग्वे ने जर्मनी को हराकर उस हार का बदला ले लिया है। पैराग्वे का समाना अब राउंड ऑफ-16 में फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से भिड़ेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

-वैभव को मिल सकता है डेब्यू का अवसर

चेस्टर ली स्ट्रीट (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को इससे पहले आयरलैंड जैसी कमजोर टीम से हार का सामना करना पड़ा था। जिससे मिले सबक को ध्यान में रखने हुए भारतीय टीम का लक्ष्य बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच खेलने हैं।

इस सीरीज के पहले मैच में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का अवसर मिलेगा या नहीं ये देखना होगा। सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने स्पष्ट किया है कि सूर्यवंशी को भी अन्य खिलाड़ियों की तरह एकादश में जगह बनाने के लिए प्रक्रिया से गुजरना होगा और सही समय का इंतजार करना होगा।, उन्होंने हालांकि वैभव की प्रशंसा करते हुए उसे योग्य बताया है। डोएशे ने माना है कि आयरलैंड से मिली 0-2 की हार के बाद टीम में निराशा है, जिससे बड़े बदलावों की संभावना बढ़ गई है।

गौरतलब है कि सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन आयरलैंड के खिलाफ दोनो ही मैच में असफल रहे थे। ऐसे में उन्हें आराम देकर अभिषेक शर्मा के साथ वैभव को पारी की शुरुआत करने का अवसर मिला सकता है। सैमसन के अलावा ईशान किशन भी आयरलैंड के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में प्रबंधन उन्हें भी बाहर कर सकता है।

इंग्लैंड में सफलता के लिलए भारतीय बल्लेबाजों को अपनी सोच और खेलने के तरीके में तुरंत बदलाव करना होगा, क्योंकि इंग्लैंड में बेलफास्ट की तरह ही तेज और उछाल वाली पिचें हैं। बेलफास्ट में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे।

इंग्लैंड के पास जोफा आर्चर, जोश टंग जैसे तेज गेंदबाज और आदिल रशीद, रेहान अहमद जैसे अच्छे स्पिनर हैं। अगर भारतीय बल्लेबाज इन गेंदबाजों के खिलाफ हालात से तालमेल बिठाने में असफल रहे तो उसके लिए जीतना कठिन होगा। मेजबान टीम को घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा।

इंग्लैंड के पास कप्तान हैरी ब्रूक के अलावा जोस बटलर, जोर्डन कॉक्स और फिल सॉल्ट जैसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं। आयरलैंड के खिलाफ दोनों मैच में भारतीय गेंदबाज शुरुआती पकड़ बनाने के बाद बीच के ओवरों में विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में असफल रहे थे जिससे मैच हाथ से फिसल गया था। इस बार ऐसा हुआ तो इंग्लैंड के बल्लेबाज आसानी से जीत हासिल कर लेंगे। इसलिए भारतीय गेंदबाजों को कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड- हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

हैरी ब्रूक को बनाया जाये नया टेस्ट कप्तान : स्टोक्स

लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक ही संन्यास लेने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि कप्तानी संभालने के लिए युवा खिलाड़ी हैरी ब्रूक सबसे बेहतर रहेंगे। 27 वर्षीय ब्रूक अभी सीमित ओवरों की कप्तानी कर रहे हैं। गौरतलब है कि कप्तानी स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार के बाद अचानक ही खेल को अलविदा कहने की घोषणा कर दी थी। संन्यास की घोषणा के बाद अब स्टोक्स चाहते हैं कि ब्रूक को टीम की कमान मिलनी चाहिए। स्टोक्स के अनुसार ब्रूक लंबे समय से टीम के उपकप्तान हैं और नेतृत्व की जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। स्टोक्स ने कहा, उन्हें इस टीम का उपकप्तान किसी वजह से बनाया गया है। वह शानदार खिलाड़ी हैं और इस टीम के सबसे वरिष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। स्टोक्स ने यह भी साफ किया कि उनकी गैरमौजूदगी में जो रूट को कप्तानी देने के फैसले में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उपकप्तान का पद किसी खिलाड़ी को भविष्य के कप्तान के तौर पर तैयार करने के लिए ही दिया जाता है और उन्होंने स्वयं भी जो रूट के नेतृत्व में इसी सफर को तय किया था, जो बाद में टेस्ट कप्तान बने। स्टोक्स जहां ब्रूक को टेस्ट कप्तान बनाने के पक्ष में हैं। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड टीम प्रबंधन इस फैसले में जल्दबाजी नहीं करना चाहता, क्योंकि ब्रूक पहले से ही एकदिवसीय और टी20 टीम की कप्तानी कर रहे हैं। ऐसे में अगर उन्हें टेस्ट टीम की कमान भी सौंपी जाती है तो उनके ऊपर तीनों फॉर्मेट की कप्तानी का अतिरिक्त दबाव आ सकता है। खेल विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति युवा कप्तान के प्रदर्शन और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यदि ब्रूक टेस्ट कप्तान बनते हैं तो उन्हें सीमित ओवरों के किसी एक प्रारूप की कप्तानी छोड़नी पड़ सकती है, ताकि काम के बोझ को संतुलित किया जा सके। ऐसे में सैम करन और जैकब बेथेल को व्हाइट-बॉल टीम की कप्तानी दी जा सकती है। दूसरी ओर इस पूरे मामले पर इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने इंतजार करने को कहा है।

विंबलडन टेनिस 2026: सिनर और जोकोविच जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंचे

लंदन (एजेंसी)। इटली के टेनिस स्टार और विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 के पहले दौर में सर्बिया के मिओमिर केमैनोविक को पांच सेटों तक चले एक रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-7 (6), 6-2, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं एक अन्य मैच में विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने भी जीत के साथ शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में जगह बनायी है।

सिनर और केमैनोविक के मैच की बात करें तो शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद सिनर ने शानदार वापसी करते हुए और करीब साढ़े तीन घंटे तक चले मुकाबले के बाद अंत में जीत दर्ज की।

सेंटर कोर्ट पर खेले गए इस मुकाबले में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी सिनर को शुरुआत में ही कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। दुनिया के 50वें नंबर के खिलाड़ी मिओमिर केमैनोविक ने अपनी आक्रामक खेल शैली और सटीक शॉट्स के दम पर पहले सेट में 6-4 से जीत हासिल कर सभी को हैरान कर दिया।

इसके बाद सिनर ने जल्द ही अपनी लय पकड़ी और दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए 6-3 से जीत दर्ज कर मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का खेल तीसरे सेट में भी जारी रहा, जहां हर अंक के लिए जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। यह सेट टाई-ब्रेक तक पहुंचा, और केमैनोविक ने 8-6 के स्कोर के साथ टाई-ब्रेक जीतकर 2-1 की बढ़त बना ली, जिससे सिनर पर दबाव और बढ़ गया।

सिनर ने चौथे सेट में अपनी सर्विस और फोरहैंड का बखूबी इस्तेमाल करते हुए केमैनोविक पर दबाव बनाया और 6-2 से जीत हासिल कर मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक खींच लिया। पांचवें और अंतिम सेट में सिनर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने 6-3 से यह सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

वहीं जोकोविच ने एक अन्य मुकाबले में चीन के वू यिबिंग को चार सेट तक चले संघर्ष के बाद 6-4, 5-7, 6-4, 6-4 हराया। अब दूसरे दौर में जोकोविच का सामना यूनान के स्टार खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास से होगा।

एशियाई खेलों के लिए हरमनप्रीत की कप्तानी बरकरार, यास्तिका की जगह कमलिनी शामिल

-15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित की गयी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों 2026 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर के पास ही रहेगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम को टी20 विश्वकप में हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी बोर्ड का उनपर भरोसा बना हुआ है। ऐसे में हरमनप्रीत का लक्ष्य एशियाई खेलों में भारतीय टीम को खिताब जिताना रहेगा। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही 17 साल की एक उभरती हुई क्रिकेटर जी. कमलिनी को भी पहली बार शामिल किया गया है।

17 वर्षीय युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज कमलिनी को अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की जगह पर लिया गया है। कमलिनी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 मैच खेले हैं। कमलिनी को पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह मिली है जिसमें वह बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना होगा। ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल की टीम में वापसी हुई है हालांकि उनको टीम में जगह फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भर करेगी। चोट के कारण श्रेयंका टी20 विश्व कप से बाहर हो गई थीं। ऐसे में उनकी जगह पर प्रेमा रावत को टीम में शामिल किया गया था पर वह प्रभावित नहीं कर पायी थीं, प्रेमा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू भी किया था पर वह केवल एक मैच ही खेल सकीं और उस मुकाबले में उन्होंने अपने दो ओवर में 21 रन दिए थे।

भारतीय महिला टीम ने साल 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था जिसे वह इस बार भी बरकरार रखने उतरेगी। हरमनप्रीत की अगुवाई में यह टीम युवा जोश और अनुभव का सही मिश्रण प्रतीत होती है, जो उम्मीद है कि एशिया के सबसे बड़े खेल महाकुंभ में भारतीय टीम इस बार भी स्वर्ण पदक जीतेगी।

टीम इस प्रकार है- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पटिल* (फिटनेस के अधीन), राधा यादव, नंदिनी शर्मा।

महिला क्रिकेट को सभी विभागों में सुधार करना होगा : मजूमदार

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि टीम को अभी खेल के तीनों विभागों बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में सुधार की जरुरत है। अमोल के अनुसार टीम टी20 विश्वकप में इन सभी क्षेत्रों में अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पारी जिसके कारण ही उसे हार का सामना करना पड़ा है। साथ ही कहा कि टीम का सामूहिक प्रदर्शन उस स्तर का नहीं रहा जिसकी ऐसे बड़े टूर्नामेंट में उम्मीद की जाती है। मजूमदार ने भविष्य की रणनीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमें अपनी रणनीति और अपने टी20 खेल पर नए सिरे से विचार करना होगा।

स्टोक्स के आसान नहीं होगा संन्यास के बाद मैदान से दूर रहना : सचिन

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अचानक की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को सोशल मीडिया के जरिये दिये अपने संदेश में कहा है कि उनके लिए मैदान से दूर रहना कठिन होगा। इस दौरान सचिन ने स्टोक्स के निडर अंदाज और जीत के जज्बे के सथ ही प्रेरणादायक कप्तानी की जमकर प्रशंसा की। स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद अचानक ही संन्यास की घोषणा कर 15 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का सामापन कर दिया। तेंदुलकर ने स्टोक्स के खेल को अलविदा कहने के फैसले पर कहा कि ऑलराउंडर ने हर मैच में जो ऊर्जा दिखाई, वह हमेशा ही अद्वितीय रही। उन्होंने स्टोक्स के एक ऑलराउंडर और कप्तान के तौर पर टीम में पड़े प्रभाव की भी सराहना की है। तेंदुलकर ने सोशल मीडिया में लिखा, ' स्टोक्स, मुझे इसलिए पसंद रहे क्योंकि वह खेल में काफी ऊर्जा लेकर आते थे। उनका सकारात्मक रवैया, बेखौफ इरादा और दबाव में मैच का रुख पलटने की कला हमेशा याद आयेगी।फ उन्होंने स्टोक्स को इंग्लैंड के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक बताया। साथ ही लिखा, फएक ऑलराउंडर के तौर पर आप इंग्लैंड के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में रहे हैं। कप्तान के रूप में आपकी साहसिक रणनीतियां और खेल को सहज समझने की क्षमता ने आपकी टीम को एक नई दिशा दी।'

आईसीसी गेंदबाजी रैंकिंग में भारत की श्री चरणी शीर्ष पर बरकरार

-सोफी एक्लेस्टोन तीसरे स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अंतराष्ट्रीय टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय स्पिनर श्री चरणी नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल बल्लेबाजी में और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज ऑलराउंडरों में नंबर-1 पर कायम हैं।इसके अलावा सभी श्रेणियों में कई बदलाव शीर्ष पांच खिलाड़ियें में हुए हैं। आईसीसी टी20 विश्वकप में प्रदर्शन के आधार पर ये बदलाव हुए हैं।

गेंदबाजों की रैंकिंग में, श्री चरणी ने विशवकप में 14 विकेट लिए। वहीं गेंदबाजों की शीर्ष-5 रैंकिंग में शामिल इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन विश्वकप में आठ विकेट लेने के कारण एक स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे स्थान पर पहुँच गई हैं, जबकि उनकी साथी लॉरेन बेल तीन पायदान ऊपर आकर चौथे स्थान पर आ गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की नॉनकुलुलेक म्लाबा एक स्थान ऊपर पाँचवें और पाकिस्तान की अनुभवी नशरा संधू एक स्थान ऊपर नौवें स्थान पर पहुँच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज मारिजाने कैप सात स्थान के लाभ के साथ ही 14वें, स्कॉटलैंड की ऑलराउंडर कैथरीन ब्राइस 17 स्थान ऊपर आकर 26वें और न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग छह स्थान के लाभ के साथ ही 31वें स्थान पर पहुँच गयी हैं।

बल्लेबाजों की सूची में, ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल अपनी नंबर-1 पर बनी हुई हैं, जबकि उनकी साथी खिलाड़ी बेथ मूनी दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ड्ट ने एक स्थान की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू, जिन्होंने आयरलैंड के खिलाफ शानदार शतक जड़ा था, दो स्थान के लाभ के साथ ही सातवें नंबर पर आ गई हैं। इंग्लैंड की ओपनर डैनी वायट हॉज पाँच पायदान ऊपर 11वें स्थान पर पहुँच गई हैं। भारत के खिलाफ 56 रनों की शानदार पारी खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी क्रिकेटर एलिस पेरी ने पाँच स्थान के लाभ के साथ ही 17वें स्थान पर पहुंच गयी है। दक्षिण अफ्रीका की एनेरी डर्कसेन चार स्थान ऊपर 24वें पर और स्कॉटलैंड की डार्सी कार्टर 13 स्थान ऊपर 42वें पर पहुंच गयी हैं। ऑलराउंडर्स की सूची में, वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज नंबर एक पर बनी हुई है, जबकि न्यूजीलैंड की अमेलिया केर दूसरे नंबर पर हैं। आयरलैंड की स्टार ओर्ला प्रेंडरगैस्ट ने दो स्थान ऊपर आकर संयुक्त तीसरे स्थान पर आ गयी हैं। मारिजाने कैप एक स्थान चढ़कर आठवें पर, ब्राइस तीन स्थान चढ़कर 11वें पर और एनाबेल सदरलैंड दो स्थान चढ़कर 17वें पर पहुंच गयी हैं।

बच्चों के विकास में हो रही देरी को समझें और ले जाएं उन्हें सफलता के रास्ते पर

हर बच्चे को स्नेह, प्रोत्साहन और सहारे की जरूरत होती है। खासतौर से जिन बच्चों के विकास में थोड़ी देरी हो रही है, उनके लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस तरह के सकारात्मक सहयोग के जरिए ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ऐसे बच्चे भी बड़े होकर आत्मविश्वास से भरपूर होंगे, उनके भीतर खुद की क्षमताओं को समझने की ताकत होगी और विषम परिस्थितियों के बाद भी उनके अंदर आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प होगा। बालपन की शुरुआत में ही बच्चे के बोलने, चलने, खुद का ख्याल रखने, खेलने जैसी कुछ क्रियात्मक बातों पर ध्यान देकर पैरेंट्स यह नोटिस कर सकते हैं कि बच्चे का विकास मानकों के अनुरूप हो रहा है कि नहीं। इसके अलावा इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी भी एक ऐसी स्थिति है, जिसकी शुरुआत बालपन में होती है और जिसमें बच्चे के सीखने ओर समझने की सीमित क्षमताओं को पहचाना जा सकता है। ज्यादा गंभीर स्थिति वाले मामलों की पहचान बच्चे के जन्म के पहले साल के अंदर ही हो जाती है। कम गंभीर मामलों में बच्चे के संज्ञानात्मक विकास पर पड़ रहे असर का पहला लक्षण स्कूल की शुरुआत में हो रही दिक्कतों के जरिए पहचाना जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे को पढ़ने में या गणित के सवालों को हल करने में दिक्कत हो रही है, तो इस बात को नोटिस किया जा सकता है। कुछ पैरेंट्स यह भी नोटिस कर सकते हैं कि उनके एक बच्चे का डिवेलपमेंट दूसरे बच्चे के मुकाबले धीमे हो रहा है। एक तरह से देखा जाए, तो पहले बच्चे के व्यवहार को देखकर यह पता चलता है कि उसका विकास सही तरीके से नहीं हो रहा है और फिर अंततः वह स्थिति आती है, जिसमें डॉक्टर की मदद लेनी पड़ती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बाद में बच्चे के विकास में और किस किस तरह की अड़चनें आ सकती है। पैरेंट्स होने के नाते आपको सबसे पहला काम यह पता लगाने का है कि आपका बच्चा किस तरीके से सबसे जल्दी और बेहतर ढंग से सीखता है।

विजुअल लर्नर

इसके जरिए यह पता लगाया जा सकता है कि क्या बच्चा चीजों को देखकर, पढ़कर या डाइग्राम, मैप्स, ड्रॉइंग आदि के जरिए पिक्चराइज करके चीजों को सीखता है और तब ज्यादा अच्छा काम करता है, जब मटीरियल उसके सामने रखा जाए और जिसे वह देखकर महसूस कर सके, न कि सुनकर।

ऑडिटरी लर्नर: इसमें बच्चा सुनकर ज्यादा बेहतर काम करता है, लेक्चर बेस्ड माहौल में जल्दी सीखता है। क्लासरूम डिस्कशन, मौखिक निर्देश और स्टडी ग्रुप्स के जरिए उसे फायदा मिलता है।

काइनेस्थेटिक लर्नर: इसमें बच्चा मूव करके ओर खुद से काम करके सीखता है, खुद अपने हाथों से की जाने वाली एक्टिविटीज, लैब क्लासेज, प्रॉप, स्किट्स और फील्ड ट्रिप्स से उसे लाभ मिलता है।

बच्चों को आगे बढ़ने में मदद

ऐसे में जल्द से जल्द हस्तक्षेप करने और सही समय पर बच्चे को स्कूल में दाखिल करवाने की जरुरत होती है, ताकि बच्चे के इंटेलेक्चुअल लेवल में सुधार हो और वह अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगे बढ़ सके। जिन बच्चों को जल्द सीखने में किसी तरह की दिक्कत आती है, ऐसे बच्चों को मजबूती से उभारने और उनके अंदर लचीलापन लाने के लिए उनकी मदद के रास्ते तलाशना जरूरी है। लर्निंग डिसेबलिटी से जुड़ी समस्याएं केवल अच्छे बर्ताव से हल नहीं होगी, लेकिन इससे आपके बच्चे के अंदर एक नई उम्मीद जगेगी और उसका भरोसा बड़ेगा, जिससे उसे आगे बड़ने में मदद मिलेगी और भविष्य में वह भी सफलता के पथ पर अग्रसर हो सकेगा। संज्ञानात्मक विकलांगता यानी कॉग्नेटिव डिसेबलिटी की वजह आमतौर पर प्रसव के पूर्व, प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद के कारकों पर निर्भर करती है। प्रसव पूर्व के कारणों में जेनेटिक विषमता, इन्फैक्शंस, सेंट्रल नर्वस सिस्टम में गढ़बड़ी, डाउन सिंड्रोम और ऐसे तत्वों के संपर्क में आना, जो बच्चे के जन्म पर प्रभाव डालते हैं, शामिल है। बच्चे के अंदर इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी पैदा होने के ये सबसे प्रमुख जेनेटिक कारण हैं। प्रसवकालीन कारणों में जानलेवा कुपोषण, प्रीमैच्योरिटी और ब्रेन में ऑक्सिजन की सप्लाई में कमी जैसी वजहें प्रमुख हैं,

कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने के लिए थैरेपीज

प्रसव बाद के कारणों में कई तरह के इन्फैक्शंस, घुटन, एक्सिडेंटल और नॉन एक्सिडेंटल ट्रॉमा, ब्रेन डैमेज, सीएनएस ट्यूमर आदि प्रमुख हैं। इन कारकों की वजह से बच्चे के अंदर पैदा हुई कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने में कई तरह की थैरेपीज और सर्विसेज मददगार साबित हो सकती हैं। इनमें नर्सिंग सर्विसेज, ऑक्यूपेशनल थैरेपी, फिजिकल थैरेपी, एडाप्टिव उपकरण, स्पीच और लैंग्वेज थैरेपी, न्यूट्रिशनल काउंसिलिंग, ऑडियोलॉजी सर्विसेज, साइकोलॉजिकल हस्तक्षेप, रीक्रिएशन थैरेपी और सोशल वर्क सर्विसेज जैसी थैरेपीज और सर्विसेज शामिल है। इनके अलावा स्पेशल एजुकेशन टीचर्स भी बच्चे को एजुकेशनल सर्विसेज मुहैया करा सकते हैं। कई बार सतर्कता में कमी, सीखने में दिक्कत, बोलने में दित या व्यापक विकासशील विकारों को इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी समझ लिया जाता है, जबकि केवल 5 पर्सेंट आबादी में ही संज्ञानात्मक कमी देखी जाती है और इनमें से ज्यादातर लोग माइल्ड रेंज डेफिसिट कैटिगरी यानी ऐसी कैटिगरी में आते हैं, जिनमें डिसेबिलिटी बेहद गंभीर नहीं होती।

डॉ. नूपुर गुप्ता, कंसलेंट ऑब्स्टट्रिशन एंड गाइनोकोलोजिस्ट

रेसिपी

अंजीर का हलवा

सामग्री

- सूखे अंजीर- 100 ग्राम
- घी- 2 चम्मच
- मिल्क पाउडर- 1 चम्मच
- चीनी- 2 चम्मच
- इलायची पाउडर- 1/4 चम्मच
- दूध- 1 कप

गार्निशिंग के लिए

- सूखे मेवे की कतरन और चांदी का वर्क

विधि

सबसे पहले अंजीर को दूध में भिगो दें फिर मिक्सी में पीस लें। अब नॉनस्टिक पैन को गर्म करके उसमें घी गर्म करें। अंजीर वाले मिश्रण को पैन में डालकर अच्छी तरह से भून लें। मिश्रण में अब मिल्क पाउडर और चीनी मिलाएं। जब चीनी घुल जाए तो इलायची पाउडर मिलाकर गैस बंद कर दें। तैयार हलवे को सर्विंग बाउल में निकालकर उसके ऊपर बादाम की कतरन डालेंऔर ऊपर से चांदी का वर्क लगाकर अंजीर का हलवा सर्व करें ।

सूजी बर्फी

सामग्री

- तिल - 150 ग्राम
- सूजी - 180 ग्राम
- चीनी - 225 ग्राम
- घी - 125 ग्राम
- पिस्ता - 1 टेबल स्पून
- बादाम - 1 टेबल स्पून
- घी - 2 टेबल स्पून
- इलायची पाउडर - 1 छोटी चम्मच

विधि

तिल सूजी की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले तिल भून लीजिए। इसके लिए पैन गरम कीजिए। इसमें तिल डालकर लगातार चलाते हुए तब तक तिल को भूनिए जब उसका रंग हल्का सा बदलने लगे और वह हल्का सा फूलने लगे। भुने तिल को प्लेट में निकाल लीजिए। अब कड़ाही में घी डालकर इसमें सूजी डाल दीजिए और सूजी को लगातार चलाते हुए धीमी से मध्यम आंच पर हल्की ब्राउन होने और अच्छी महक आने तक भून लीजिए। सूजी भुन जाने पर इसे भी प्लेट में निकाल लीजिए। पिस्तों को पतला-पतला काट लीजिए और बादाम को भी बारीक काटकर तैयार कर लीजिए।

चाशनी बनाएं : पैन में चीनी और कप पानी डालकर चीनी के पानी में घुलने के बाद 1 से 2 मिनिट तक पकाएं। जब चाशनी में से तार निकलने लगे तो समझ लीजिए चाशनी बनकर के तैयार है। इलायची पाउडर और बारीक कटे हुए बादाम डालकर अच्छे से मिक्स कीजिए। एक थाली को थोड़े से घी से चिकना कीजिए। मिश्रण को थाली में डालकर फैलाइए और बारीक कटे हुए पिस्तों से इसे सजा दीजिए। बर्फी को ठंडा होने के लिए रख दीजिए। मिश्रण के जम जाने पर इसे चाकू की सहायता से अपने मनपसंद आकार के टुकड़ों में काट सर्व करें

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु — ये यो भा भी भू
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3934

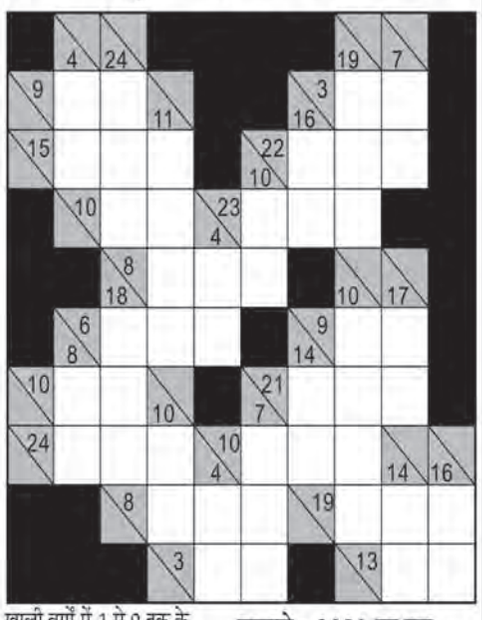

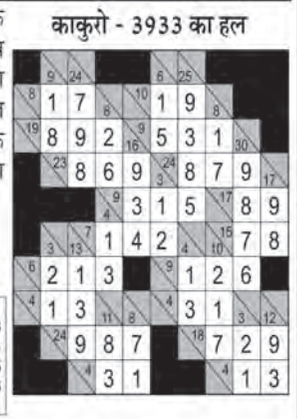

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3933 का हल

हंसी के फूव्वारें

मालकिन ने नई नौकरानी से पूछा- 'देखो ! मैं ज्यादा बातचीत नहीं करती. अगर मैं अंगुली से इशारा करूँ तो समझ लो कि मैं बुला रही हूँ.'

इस पर नौकरानी बोली-'जी ! मैं भी बहुत कम बोलना पसन्द करती हूँ. अगर मैं अपना सिर हिला दूं तो समझ जाइये कि मैं नहीं आ सकती.'

□ □ □

जेल की एक कोठरी में बैठे तीन कैदी बता रहे थे कि वे क्यों पकड़कर बन्द कर दिये गए ?

पहला-'मै चुनाव में राजनारायण के पास में काम कर रहा था !'

दूसरा-'और मैं राजनारायण के खिलाफ काम कर रहा था !'

तीसरा-'राजनारायण मैं खुद हूँ.'

□ □ □

प्रेमिका बोली, ''मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह न करूंगी जो झूठ बोलता हो.''

प्रेमी बोला,''तब तो तुम सारा जीवन कुंवारी रहोगी.''

□ □ □

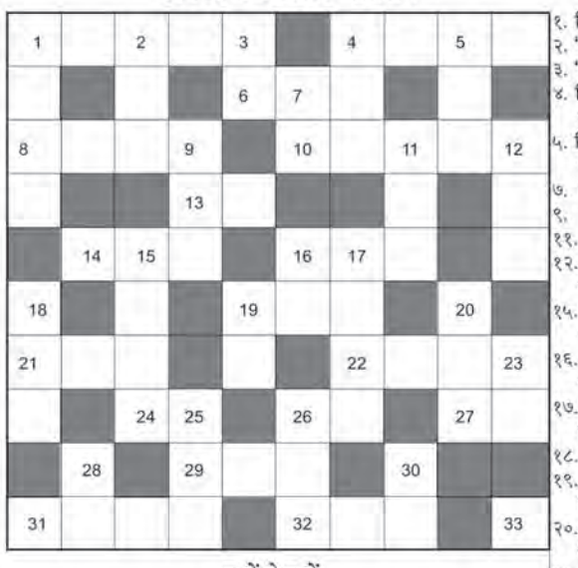

मंत्री जी ने अस्पताल के नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन करते हुए अपने भाषण में कहा-''भाइयों, ऑपरेशन थिएटर का निर्माण एक अच्छी बात है. इतने बड़े अस्पताल में रोगियों के मनोरंजन के लिए उनका अपना थिएटर होना बहुत जरूरी है.''

फिल्म वर्ग पहेली- 3934

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरे गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3933

सूडोकु -3934

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3933 का हल

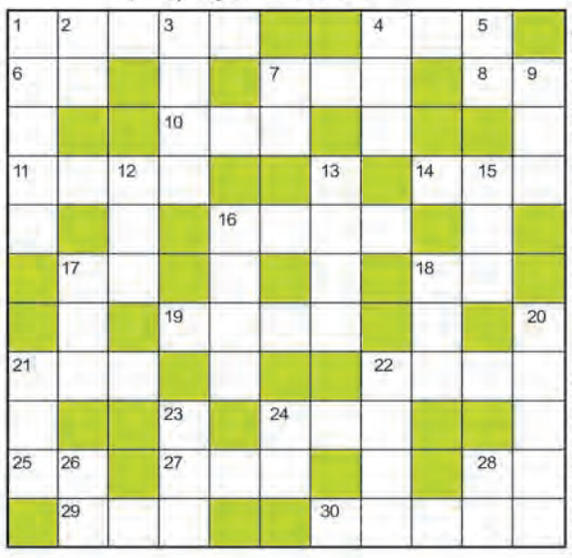

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 3934

बाएँ से दाएँ

1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरुर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली -3933 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी